राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 03 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–128 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कश्मीर में एक और टारगेट किलिंग

बैंक मैनेजर की बैंक में घुसकर हत्या, केएफएफ ने ली जिम्मेदारी, कहाः हर किसी का यही अंजाम होगा

श्रीनगर। कश्मीर में आतंकवादियों ने एक और टारगेट किलिंग को अंजाम दे दिया है। राजस्थान के रहने वाले बैंक मैनेजर को गुरुवार को कुलगाम में बैंक में घुसकर गोली मार दी। 3 दिन पहले कुलगाम में ही एक टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इलाकाई देहाती बैंक के अधिकारियों ने कहा कि मोहनपोरा ब्रांच में विजय कुमार को आतंकवादियों ने गोली मारी। नाजुक हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। आतंकवादियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। आतंकी संगठन कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। केएफ-एफ ने चिट्ठी जारी कर चेतावनी भी दी है। संगठन ने कहा, जो भी कश्मीर के डेमोग्राफिक बदलाव में शामिल होगा, उसका यही अंजाम होगा। पत्र में आगे लिखा है, 'जो भी बाहरी लोग इस धोखे में रह रहे हैं कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें यहां स्थायी कर देगी, उनके लिए ये आंख खोलने वाला है। अब बाहरी लोगों को वास्तविकता समझ लेनी चाहिए कि उन्हें इसके लिए जान भी गंवानी पड़ेगी। सोचिए, कहीं देर न हो जाए और अगली बारी तुम्हारी हो।' कश्मीर में टारगेट किलिंग की घटना के बाद गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल के बीच हाईलेवल मीटिंग हुई है। मीटिंग में प्रधानमंत्री कार्यालय के स्टेट मिनिस्टर जितेंद्र सिंह भी शामिल रहे। शाह ने 3 जून को भी बैठक बुलाई है, जिसमें कश्मीर के उप-राज्यपाल भी मौजूद रहेंगे। जम्मू-कश्मीर में एक महीने में 6

टारगेट किलिंग का मामला सामने आया है। 12 मई बडगाम में राहुल भट्ट (सरकारी कर्मचारी), 13 मई को पुलवामा में रियाज अहमद ठाकोर (पुलिसकर्मी), 24 मई को सैफुल्लाह कादरी (कांस्टेबल), 25 मई को अमरीन भट्ट (टीवी आर्टिस्ट) और 31 मई को कुलगाम में रजनी बाला (टीचर) की आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

रोड पर दौड़ती बाइक अचानक बनी आग का गोला

चेन्नई। कई बार ऐसे मामले सामने आ जाते हैं जब रोड पर सरपट भागती गाड़ियां आग का शिकार हो जाती हैं और किसी को कुछ समझ नहीं आता है। कई बार इन हादसों के चक्कर में जानें भी चली जाती हैं। ऐसी ही एक घटना चेन्नई से सामने आई है जहां रोड पर सरपट भागती एक बाइक में आग लग गई। यह आग इतनी तेजी से लगी कि इसे चलाने वाली किसी तरह उस पर से कूद पाया। दरअसल,यह घटना चेन्नई के मंडवेली के पास की है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस शख्स का नाम अरुण रामलिंगम है जो चेन्नई के ही रहने वाले हैं। वे मंडवेली के पास अपनी बाइक पर जा रहे थे, तभी उनकी बाइक में अचानक आग लग गई। घटना बुधवार एक जून की रात की बताई गई है।

पंजाब में 420 वीआईपी की सुरक्षा होगी बहाल, हाई कोर्ट में फैसले से पलटी मान सरकार

चंडीगढ़। पंजाब में 424 वीआईपी लोगों की सुरक्षा फिर से बहाल होगी। 7 जून से इन लोगों को फिर से सुरक्षा दी जाएगी और हर किसी को खतरे की समीक्षा करने के बाद ही आगे कोई फैसला होगा। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में भगवंत मान सरकार ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान यह बात कही। इस तरह पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट में अपने फैसले से पलटने की बात कही है, जिसके तहत उसने वीआईपी कल्चर खत्म करने की बात कही थी। पूर्व मंत्री ओपी सोनी की अर्जी पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट में आम आदमी पार्टी सरकार ने 7 जून से 420 लोगों की सुरक्षा बहाल करने की जानकारी दी। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद यह फैसला लिया गया है। मूसेवाला भी उन लोगों की लिस्ट में शामिल थे, जिनकी सुरक्षा को कम किया गया था या फिर वापस लिया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने मान सरकार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि आखिर जिन लोगों का सुरक्षा कवर कम हुआ था, उनकी लिस्ट लीक कैसे हो गई थी। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद पंजाब सरकार की ओर से सुरक्षा को वापस लिए जाने की काफी निंदा की गई थी।

हार्दिक पटेल की भाजपा में हुई धमाकेदार एंट्री

विजय मुहूर्त में बीजेपी में शामिल हुए हार्दिक, रोड शो निकाला, बोलेः घर वापसी

अहमदाबाद। गुजरात के चर्चित पाटीदार नेता हार्दिक पटेल आज भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले कांग्रेसी नेता श्वेता ब्रह्मभट्ट प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की मौजूदगी में इखढ में शामिल हुईं। बीजेपी में शामिल होने से पहले हार्दिक ने कोबा इलाके से इखढ कार्यालय 'कमलम' तक रोड शो निकाला। इसके बाद दोपहर 12.39 बजे के विजय मुहूर्त में कमलम में प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की मौजूदगी में उन्होंने केसरिया पहन लिया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं भाजपा में शामिल नहीं हुआ हूं, बल्कि ये मेरी घर वापसी हुई है।' भाजपा जॉइन करने से पहले उन्होंने एक

ट्वीट किया- राष्ट्रहित, प्रदेशहित, जनहित एवं समाज हित की भावनाओं के साथ आज से नए अध्याय का प्रारंभ करने जा रहा हूँ। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्र सेवा के भगीरथ कार्य में छोटा सा सिपाही बनकर काम करूंगा। हार्दिक ने पार्टी जॉइन करने से पहले एक पोस्टर जारी किया था, जिसमें उनके भाजपा में जॉइन होने का समय भी बताया गया था। इससे पहले उन्होंने अपने आवास पर दुर्गा पाठ किया। दुर्गा पूजा के बाद हार्दिक स्वामीनारायण मंदिर गए, जहां उन्होंने गो पूजा भी की। पूर्व कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने कहा- आज तक मैंने पद के लालच में कहीं भी किसी भी प्रकार की मांग नहीं रखी। कांग्रेस को भी मैंने काम मांगते हुए छोड़ा और भाजपा में भी मैं काम करने की अभिलाषा के साथ जुड़ रहा हूं। स्थान की चिंता कमजोर लोग करते हैं। मजबूत लोग कभी भी स्थान की चिंता नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हर 10 दिन में एक कार्यक्रम करेंगे, जिसमें कांग्रेस पार्टी से नाराज विधायकों, जिला पंचायत या तहसील पंचायत के सदस्यों, नगर निगम के सदस्यों को जोड़ेंगे। लंबे समय से कांग्रेस के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर रहे हार्दिक ने 17 मई को ट्विटर पर इस्तीफे का ऐलान किया था।

रैली में युवाओं ने लहराए असहले, वीडियो वायरल

अलीगढ़। बाइक रैली के दौरान अवैध असहले लहराने का मामला सामने आया है। रैली का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें युवा अपने हाथों में तमंचे लिए हुए हैं और इसका जमकर प्रदर्शन कर रहे हैं। वायरल हो रहे वीडियो में इसे हरदुआगंज थाना क्षेत्र के गांव इब्राहिमाबाद की घटना बताया जा रहा है। जिसमें युवाओं ने बीते दिनों रैली निकाली थी और जमकर तमंचे लहराए थे। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और युवाओं की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। वायरल वीडियो हरदुआगंज थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। जबकि थाने में इस तरह की रैली की कोई सूचना नहीं है। यह वीडियो बीते दिनों महापुरुषों की जयंती के मौके का बताया जा रहा है। वीडियो में दर्जनों की संख्या में वाहन और युवा नजर आ रहे हैं, जो अपने हाथों में तिरंगा और भगवा झंडा लेकर रैली निकाल रहे हैं। इसके साथ ही वह हाथों में असलहे भी लिए हुए हैं और इसका जमकर प्रदर्शन कर रहे हैं। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस इस मामले को सख्ती के साथ ले रही है और गांव में जाकर मामले की जांच कर रही है। इसके साथ ही वीडियो में नजर आने वाले युवाओं की पहचान के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पंचतत्व में विलीन हुए गायक केके

बेटे ने दी पिता को मुखाग्नि, श्रद्धांजलि देने वालों का लगा तांता

मुम्बई। देश के प्रसिद्ध गायक केके की मंगलवार को अचानक मौत हो गई। पुलिस द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के मुताबिक कार्डियक अरेस्ट की वजह से गायक का निधन हो गया। गौरतलब है कि मंगलवार को कोलकाता एक कॉलेज फेस्ट में परफॉर्म करते वक्त अचानक गायक की तबीयत बिगड़ने लगी। कॉन्सर्ट में मौजूद लोगों की माने तो हॉल में केके को सुनने के लिए उमड़ी भीड़ और एसी ने सही तरीके से काम न करने की वजह से उन्हें घबराहट महसूस होने लगी। परफॉर्मेंस के दौरान केके पसीने से तरबतर होने लगे। आखिरकार रात 8:30 बजे के करीब गायक को होटल के कमरे में ले जाया गया। जब वहां भी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ, तब उन्हें अस्पताल लेकर जाया गया। हालांकि अस्पताल पहुंचने से पहले ही गायक ने दम तोड़ दिया। बता दें कि केके का पार्थिव शरीर मुंबई लेकर आया गया है। गुरुवार को अंतिम दर्शन के बाद अंतिम संस्कार होगा पश्चिम बंगाल बीजेपी सांसद सौमित्र खान ने गायक केके की मौत पर गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा, ₹ऑडिटोरियम की क्षमता 3000 लोगों की थी,

फिर भी टीएमसी नेताओं की उपस्थिति में 7000 लोगों को अंदर जाने की अनुमति दी गई। ऐसे में एसी बंद होने पर शो को क्यों आयोजित किया गया₹। इस पर जांच होनी चाहिए। गायक केके का अंतिम संस्कार वसोर्वा श्मशान घाट में हुआ। परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में उन्हें अंतिम विदाई दी गई। उनके अंतिम संस्कार में कई गायक और संगीतकार शामिल हुए। अब वे आयोजन स्थल से निकलने लगे हैं। केके का अंतिम संस्कार अब वसोर्वा हिंदू श्मशान घाट में शुरू हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा में कई सेलेब्स के साथ-साथ दिवंगत गायक का परिवार भी मौजूद है। केके ने एक बार खुलासा किया था कि उनकी पत्नी ज्योति ने ही उन्हें मुंबई में अपना आधार स्थानांतरित करने और संगीत का पीछा करने के लिए प्रोत्साहित किया था, जिसके बाद उन्हें कई अवसर मिले। केके का अंतिम संस्कार वसोर्वा हिंदू श्मशान घाट में किया जाएगा। उनके घर पर अंतिम दर्शन के बाद अब उनके पार्थिव शरीर को वहां ले जाया जा रहा है। मुंबई पुलिस को केके के घर के बाहर स्पॉट किया गया। दिवंगत गायक की अंतिम यात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। केके की बेटी तमारा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने पिता को याद करते हुए एक दिल दहला देने वाली पोस्ट साझा की। उसने अंतिम संस्कार कार्ड की एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, लव यू फॉरएवर डैड।

साकीनाका रेप-मर्डर केसः दोषी मोहन चौहान को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा, बताया दुर्लभ मामला

मुम्बई। साकीनाका रेप और मर्डर मामले में एक कोर्ट ने दोषी मोहन चौहान को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इसे दुर्लभ मामला बताया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में दोषी को कड़ी सजा देना जरूरी है। राज्य सरकार ने कोर्ट से आरोपी को फंसी की सजा देने की मांग की थी। कोर्ट ने राज्य का निवेदन स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता की आंत को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया था जिससे उसका पाचन तंत्र पूरी तरह खराब हो गया था। आरोपी मोहन चौहान ने 32 साल की महिला के साथ अंधेरी के साकीनाका इलाके में दरिंदगी की हदें पार कर दी थीं। उसने पहले महिला के साथ रेप किया और फिर प्राइवेट में हथियार डालकर हत्या कर दी। आरोपी मोहन चौहान पेशे से ड्राइवर था। कोर्ट में जब मामले की सुनवाई चल रही थी तब वह पीड़ित पक्ष के वकीलों को गालियां भी देता था। सरकारी वकील ने तभी कहा था कि इसमें सुधार की गुंजाइस नहीं है। सोमवार को कोर्ट ने मोहन चौहान को रेप और मर्डर के मामले में दोषी करार दिया था। कोर्ट में जब दोषी से पूछा गया कि उसे कितनी सजा मिलनी चाहिए तो वह जोर-जोर से रोने लगा।

साइकिल रैलियों का राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आज, मंत्री अनुराग ठाकुर 750 साइकिल चालकों संग पैडल मारेंगे

नई दिल्ली। शुक्रवार तीन जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर साइकिल रैलियों के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम होगा। इसका शुभारंभ केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से करेंगे। इस दौरान वे 750 युवा साइकिल चालकों के साथ 7.5 किलोमीटर साइकल चलाएंगे। विश्व साइकिल दिवस पर हो रही इस पहल के माध्यम से एक ही दिन में 1.29 लाख युवा साइकिल चालकों द्वारा कुल 9.68 लाख से ज्यादा किलोमीटर का सफर किया जाएगा। देश के 35

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानी में और देश भर के 75 प्रतिष्ठित स्थानों पर साइकिल रैलियां निकाली जाएंगी। देशभर में साइकिल रैलियां निकालने का मकसद लोगों को शारीरिक फिटनेस के लिए रोजाना साइकिल चलाने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना और मोटापे, आलस्य, तनाव, चिंता, बीमारियों आदि से मुक्ति दिलाना है। आम नागरिकों द्वारा साइकिल चलाने से प्रदूषण व कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। युवा मामले और खेल मंत्रालय आजादी के अमृत महोत्सव 'भारत@75' के तहत विश्व साइकिल दिवस मना रहा है। मंत्रालय के दो अग्रणी युवा संगठन नेहरू युवा केंद्र (एनवाईकेएस) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से एक साथ चार गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इनमें दिल्ली में विश्व साइकिल दिवस का शुभारंभ, 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों, देश के 75 प्रसिद्ध स्थलों और सभी ब्लॉक में साइकिल रैलियां शामिल है।

वृंदावन में मिलेगा निशुल्क भोजन

मथुरा। भगवान श्री कृष्ण की क्रीड़ा (खेल) भूमि वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को जल्द ही निशुल्क भोजन की सुविधा मिलने वाली है। मथुरा के वृंदावन में पर्यटन विभाग अन्नपूर्णा भवन बना रहा है। भवन निर्माण का कार्य अंतिम दौर में चल रहा है। इसके पूरा होते ही इसे एक सामाजिक संगठन को सौंप दिया जायेगा जो इसका संचालन करेगा। वृंदावन में मथुरा मार्ग पर जयपुर मंदिर के समीप बन रहे अन्नपूर्णा भवन में तैयारियां अंतिम दौर में हैं। भवन निर्माण पूरा हो चुका है रसोई बनकर तैयार है। यहां एक बार में 600 लोग बैठ कर भोजन कर सकते हैं। श्रद्धालुओं को यहां निशुल्क भोजन उपलब्ध होगा। अन्नपूर्णा भवन में सुबह शाम 3- 3 घंटे भोजन मिलेगा। यहां एक दिन में 5 हजार

लोगों को भोजन कराने की व्यवस्था रहेगी। एक बार में इस भवन में 450 से 600 लोग बैठकर भोजन कर सकेंगे। यहां सुबह 11 बजे से 2 बजे तक व शाम को 6 बजे से 9 बजे तक भोजन मिलेगा। अन्नपूर्णा भवन में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसका संचालन राम कथा प्रवक्ता विजय कौशल महाराज की अध्यक्षता वाला ट्रस्ट मंगल मय न्यास करेगा। वृंदावन में मथुरा मार्ग पर जयपुर मंदिर के सामने स्थित अन्नपूर्णा भवन का शिलान्यास 14 फरवरी 2021 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। ब्रज तीर्थ विकास परिषद के द्वारा वित्त पोषित पर्यटन विभाग के अधीन इस भोजनालय की लागत करीब 5 करोड़ रुपए आई है। इसका निर्माण कार्य अंतिम दौर में हैं। निर्माण पूरा होने के बाद इस भवन को मंगल मय न्यास ट्रस्ट को संचालन के लिए सौंप दिया जायेगा। अन्नपूर्णा भवन में भोजन निर्माण आधुनिक तरीके से होगा। यहां रसोई में रोटी बनाने की मशीन लगाई गई है तो सब्जी और दाल आदि धोने के लिए भी तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। रोटी बनाने वाली मशीन एक घंटे में 3 हजार रोटी तैयार करेगी। इस भवन में भोजन में रोटी,सब्जी, दाल और चावल मिलेगा। इसके अलावा विशेष अवसर पर मीनू बदल भी सकता है।मथुरा वृंदावन नगर निगम ने ब्रज तीर्थ विकास परिषद को करीब 25 सौ वर्ग मीटर भूमि दी। इस भूमि पर 800 वर्ग मीटर पर भवन बनाया गया है जबकि बाकी में सार्वजनिक शौचालय व ओपन एरिया है। भवन में बेसमेंट के अलावा 3 मंजिल हैं। ग्राउंड फ्लोर पर हाल और किचन है। फर्स्ट फ्लोर पर हाल है और सबसे ऊपर कर्मचारियों के लिए डोर मेट्री। इसके अलावा कुछ कमरे भी बनाए गए हैं। भारत में कई तीर्थ स्थल ऐसे हैं जहां श्रद्धालुओं को भोजन मिलता है। महाराष्ट्र के श्री साईं संस्थान, कर्नाटक के मंजूनाथ मंदिर,ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर व गुजरात के सोमनाथ मंदिर में यह सुविधा उपलब्ध है।

सुविचार

पाई भी न बचे, मेरे लिए सबसे बड़ा सुख यही होगा। - पुरुषोत्तमदास टंडन

संपादकीय

घातक मंसूबे

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

जम्मू-कश्मीर में जबसे धारा 370 हटी है, वहां राजनीतिक उठा-पटक और आतंकवादी घटनाओं में काफी कमी हुई है लेकिन इधर पिछले कुछ हफ्तों में आतंकवाद ने फिर से जोर पकड़ लिया है। कश्मीर घाटी के एक स्कूल में पढ़ा रही जम्मू की अध्यापिका रजनीबाला की हत्या ने कश्मीर में तूफान-सा खड़ा कर दिया है। कश्मीर के हजारों अल्पसंख्यक हिंदू कर्मचारी सड़कों पर उतर आए हैं और वे उप-राज्यपाल से मांग कर रहे हैं कि उन्हें घाटी के बाहर स्थानांतरित किया जाए, वरना वे सामूहिक बहिर्गमन का रास्ता अपनाएंगे। उनका यह आक्रोश तो स्वाभाविक है लेकिन उनकी मांग को क्रियान्वित करने में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। यहां एक सवाल तो यही है कि क्या आतंकवादी सिर्फ हिंदू पंडितों को ही मार रहे हैं? यह तो ठीक है कि मरनेवालों में हिंदू पंडितों की संख्या ज्यादा है, क्योंकि एक तो वे प्रभावशाली हैं, मुखर हैं और उनकी संख्या भी ज्यादा है लेकिन रजनीबाला तो पंडित नहीं थी। वह तो दलित थी। इसके अलावा हम थोड़े और गहरे उतरें तो पता चलेगा कि इस वर्ष अब तक आतंकवादियों ने 13 लोगों की हत्या की है, उनमें चार पुलिस के जवान थे, तीन हिंदू थे और छह मुसलमान थे। इन मुसलमानों में पुलिस वालों के अलावा पंच, सरपंच और टीवी की एक महिला कलाकार भी थी। कहने का अर्थ यह कि आतंकवादी सबके ही दुश्मन हैं। वे घृणा और घमंड से भरे हुए होते हैं। वे जिनसे भी घृणा करते हैं, उनकी हत्या करना वे अपना धर्म समझते हैं। क्या वे यह नहीं जानते यह कुकर्म वे इस्लाम के नाम पर करते हैं और उनकी इस करनी की वजह से इस्लाम सारी दुनिया में बदनाम होता रहता है। ऐसे ही हिंसक उग्रवादियों की मेहरबानी के कारण आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान बिल्कुल खस्ता-हाल हुए जा रहे हैं। कश्मीर में इधर कुछ हफ्तों से आतंकवादी हमलों में जो बढ़त हुई है, उसका एक कारण यह भी लगता है कि ये आतंकवादी नहीं चाहते कि भारत-पाक रिश्तों में जो सुधार के संकेत इधर मिल रहे हैं, उन्हें सफल होने दिया जाए। इधर जब से शाहबाज शरीफ की सरकार बनी है, दोनों देशों के नेताओं का रवैया रचनात्मक दिख रहा है। दोनों देश सीमा पर युद्ध विराम समझौते का पालन कर रहे हैं और सिंधु-जल विवाद को निपटाने के लिए हाल ही में दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक दिल्ली में हुई है। पाकिस्तान के व्यापारी भी बंद हुए आपसी व्यापार को खुलवाने का आग्रह कर रहे हैं। आतंकवादियों के लिए यह सब तथ्य काफी निराशाजनक हैं। इसीलिए वे अंधाधुंध गोलियां चला रहे हैं। उनकी हिंसा की सभी कश्मीरी नेताओं ने कड़ी निंदा की है और उप-राज्यपाल मनोज सिंहा ने भी कठोर शब्दों में आतंकवादी हत्यारों को शीघ्र ही दंडित करने की घोषणा की है। क्या इन आतंकवादियों को इतनी-सी बात भी समझ नहीं आती कि वे हजार साल तक भी इसी तरह लोगों का खून बहाते रहें तो भी अपना लक्ष्य साकार नहीं कर पाएंगे और वे जितने निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं, उससे कई गुना ज्यादा आतंकवादी हर साल मारे जाते हैं। यह बात उन पाकिस्तानी लोगों को भी समझनी चाहिए, जो आतंकवाद को प्रोत्साहित करते हैं।

आज के कार्टून

नम्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक बार अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन नगर की स्थिति का जायजा लेने के लिए निकले। समूचे शहर में घूम-फिरने के दौरान वे बीच-बीच में ठहर कर तमाम स्थानों में रुचि ले रहे थे। घूमते-घूमते वे एक स्थान पर जा पहुंचे जहां भवन का निर्माण कार्य चल रहा था। फितरतन वह कुछ देर के लिए वहीं रु क गए और वहां चल रहे कार्य को गौर से देखने लगे। देख रहे थे कि बड़ी फुर्ति से मजदूर अपने काम को अंजाम दे रहे थे। लेकिन कुछ देर में उन्होंने देखा कि कई मजदूर मिलकर एक बड़ा-सा पत्थर उठा कर इमारत पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। किंतु पत्थर बहुत ही भारी था, इसलिए वह इतने मजदूरों के उठाने पर भी नहीं उठ रहा था। लाचार दिख रहे मजदूरों को ठेकेदार पत्थर न उठा पाने के कारण डांट रहा था। मजदूरों के चेहरों पर थकान और मायूसी बता रही थी कि उन्हें मदद की दरकार थी। परन्तु ठेकेदार था कि खुद किसी भी तरह उन्हें मदद देने को तैयार नहीं था। वॉशिंगटन यह देखकर उस ठेकेदार के पास आकर बोले-इन मजदूरों की मदद करो। यदि एक आदमी और प्रयास करे तो यह पत्थर आसानी से उठ जाएगा। ठेकेदार वॉशिंगटन को पहचान नहीं पाया और रौब से बोला-मैं दूसरों से काम लेता हूं, मैं मजदूरी नहीं करता। यह जवाब सुनकर वॉशिंगटन घोड़े से उतरे और पत्थर उठाने में मजदूरों की मदद करने लगे। उनके सहारा देते ही वह पत्थर उठ गया और आसानी से ऊपर चला गया। इसके बाद वह वापस अपने घोड़े पर आकर बैठ गए और बोले-सलाम ठेकेदार साहब, भविष्य में कभी तुम्हें एक व्यक्ति की कमी मालूम पड़े, तो राष्ट्रपति भवन में आकर जॉर्ज वॉशिंगटन को याद कर लेना। यह सुनते ही ठेकेदार के पैरों तले की जमीन खिसक गई। उनके पैरों पर गिर पड़ा और अपने दुर्व्यवहार के लिए क्षमा मांगने लगा। ठेकेदार के माफी मांगने पर वॉशिंगटन बोले-मेहनत करने से या किसी की मदद करने से आदमी छोटा नहीं हो जाता। मजदूरों की मदद करने से तुम उनका सम्मान ही हासिल करोगे। याद रखो, मदद के लिए सदैव तैयार रहने वाले को ही समाज में प्रतिष्ठा हासिल होती है। इसलिए जीवन में ऊंचाइयां हासिल करने के लिए व्यवहार में नम्रता का होना बेहद जरूरी है। उस दिन से ठेकेदार का व्यवहार बिल्कुल बदल गया और वह सभी के साथ अत्यंत नम्रता से पेश आने लगा।

आम जन की सवारी है साइकिल

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ 3 जून विश्व साइकिल दिवस पर विशेष)

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। इसीलिये भारत में साइकिल की अहमियत कभी खत्म नहीं हो सकती है। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है। 3 जून 2018 को विश्व में पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम चौथा विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी। बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी। देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लोगों को अपने घर जाने के लिए कोई साधन नहीं मिल पा रहे थे। ऐसे में करोड़ो लोग खुद को दूसरे प्रदेशों में फंसा हुआ महसूस कर रहे थे। इस दौरान लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है। भारत में भी साइकिल के पहियों ने देश की आर्थिक तरक्की में अहम भूमिका निभाई। 1947 में आजादी के बाद अगले कई दशक तक देश में साइकिल यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी। अब शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। दो साल पहले विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निर्माता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोगों के बेरोजगार हो गये हैं। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निर्माता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी। अमेरिका के बड़े-बड़े डिपार्टमेंट स्टोर में भी एटलस की साइकिले बेची जाती थी। दुनिया की सबसें बड़ी साइकिल निर्माता कम्पनी एटलस का विश्व साइकिल दिवस के दिन ही घाटे के चलते बंद हो जाना बड़े दुर्भाग्य की बात है। =द्यभारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। 'द एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है। अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवो में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये। आज के दिन हमें मन ही मन इस बात का संकल्प लेना चाहिये कि हम हमारे रोजमर्रा के काम साईकिल से पूरा करेगें। तभी सही मायने में साइकिल दिवस मनाना सफल हो पायेगा। बढ़ते प्रदूषण की वजह से दुनिया के बहुत से देशों में साइकिल चलाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सिर्फ साइकिल चलाने की ही अनुमति है। भारत में भी दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में सुरक्षित साइकिल लेन का निर्माण किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी एशिया का सबसे लंबा साइकिल हाई वे बना है। जिसकी लंबाई करीबन 200 किलोमीटर से अधिक है। अभी देश में साइकिल चालकों के अनुपात में साइकिल रोड़ विकसित किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया के देशों में साइकिल की वापसी पर्यावरण की दृष्टि से एक शुभ संकेत माना जा सकता है।

शांतिपुंज और शहीदों के सरताज थे गुरू अर्जुन देव

(गुरू अर्जुन देव शहीदी दिवस (3 जून) पर विशेष/लेखक - योगेश कुमार गोयल)

सिख धर्म में पांचवें गुरू श्री अर्जुन देव के बलिदान को सबसे महान् माना जाता है, जो सिख धर्म के पहले शहीद थे। उन्हें 'शहीदों के सरताज' भी कहा जाता है। इस वर्ष 3 जून को गुरू श्री अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस मनाया जा रहा है। अमृतसर के गोइंदवाल साहिब में जन्मे गुरु अर्जुन देव के मन में सभी धर्मों के प्रति अथाह सम्मान था, जो दिन-रात संगत की सेवा में लगे रहते थे। धर्म रक्षक और मानवता के सच्चे सेवक श्री अर्जुन देव के पिता गुरू रामदास सिखों के चौथे तथा नाना गुरू अमरदास सिखों के तीसरे गुरू थे और बुरू अर्जुन देव के पुत्र हरगोविंद सिंह सिखों के छठे गुरू बने। वर्ष 1581 में 18 वर्ष की आयु में पिता गुरू रामदास जी द्वारा अर्जुन देव को सिखों का पांचवां गुरू नियुक्त किया गया था। गुरू अर्जुन देव को उनकी विनम्रता के लिए भी स्मरण किया जाता है। दरअसल उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने पूरे जीवनकाल में कभी किसी को कोई दुर्वचन नहीं कहा। शांत व गंभीर स्वभाव के स्वामी तथा धर्म के रक्षक गुरू अर्जुन देव जी को अपने युग के सर्वमान्य लोकनायक का दर्जा प्राप्त है, जिनमें निर्मल प्रवृत्ति, सहृदयता, कर्त्तव्यनिष्ठता, धार्मिक एवं मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण भावना जैसे गुण कूट-कूटकर समाये थे। ब्रह्मज्ञानी माने जाने वाले गुरू अर्जुन देव को आध्यात्मिक जगत में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है, जो शहीदों के सरताज और शांतिपुंज भी माने जाते हैं। वह आध्यात्मिक चिंतक और उपदेशक के साथ ही समाज सुधारक भी थे, जो सती प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी डटकर खड़े रहे तथा अपने 43 वर्षों के जीवनकाल में उन्होंने जीवन पर्यन्त धर्म के नाम पर आडम्बरों तथा अंधविश्वासों पर कड़ा प्रहार किया। प्रतिदिन प्रातःकाल लाखों लोग शांति हासिल करने के लिए 'सुखमनी साहिब' का पाठ करते हैं, जो गुरू अर्जुनदेव जी की अमर-वाणी है, जिसमें 24 अष्टपदी हैं। सुखमनी अर्थात् सुखों की मणि यानी मन को सुख देने वाली वाणी, जो मानसिक तनाव की अवस्था का शुद्धिकरण भी करती है। यह सूत्रात्मक शैली की राग गाउडी में रची गई उत्कृष्ट रचना मानी जाती है, जिसमें साधना, नाम-सुमिरन तथा उसके प्रभावों, सेवा, त्याग, मानसिक सुख-दुख तथा मुक्ति की उन अवस्थाओं का उल्लेख है, जिनकी प्राप्ति कर मानव अपार सुखों की प्राप्ति कर सकता है। गुरू अर्जुन देव ने ही सभी गुरूओं की बानी के अलावा अन्य धर्मों के प्रमुख संतों के भजनों को भी संकलित कर एक ग्रंथ 'गुरू ग्रंथ साहिब' बनाया, जो मानव जाति को सबसे बड़ी देन मानी गई है। सम्पूर्ण मानवता में धार्मिक सौहार्द पैदा करने के लिए श्री गुरू ग्रंथ साहिब में कुल 36 महान् संतों और गुरूओं की वाणियों का संकलन किया गया। इसमें कुल 5894 शब्द हैं, जिनमें से कुल 30 रागों में 2216 शब्द श्री गुरू अर्जुन देव जी के ही हैं जबकि अन्य शब्द महान् संत कबीर, संत रविदास, संत नामदेव, संत रामानंद, बाबा फरीद, भाई मरदाना, भक्त धन्ना, भक्त पीपा, भक्त सैन, भक्त भीखन, भक्त परमानंद, बाबा सुंदर इत्यादि के हैं। गुरू ग्रंथ साहिब जी का सम्पादन गुरू अर्जुनदेव ने भाई गुरदास की सहायता से किया था, जिसमें रागों के आधार पर संकलित वाणियों का इस प्रकार वर्गीकरण किया गया, जिसे देखते हुए इसे मध्यकालीन धार्मिक ग्रंथों में बेहद दुर्लभ माना जाता है। गुरू ग्रंथ साहिब के संकलन का कार्य वर्ष 1603 में शुरू हुआ और 1604 में सम्पन्न हो गया था, जिसका प्रथम प्रकाश पर्व श्री हरिमंदिर साहिब में 30 अगस्त 1604 को आयोजित किया गया था और इसके मुख्य ग्रंथी की जिम्मेदारी बाबा बुड्ढा जी को सौंपी गई, जिन्होंने बचपन में गुरू अमरदास के साथ मिलकर अर्जुन देव का पालन-पोषण किया था। वर्ष 1705 में दमदमा साहिब में दशमेश पिता गुरू गोविंद सिंह जी ने गुरू तेगबहादुर जी के 116 शब्द जोड़कर गुरू ग्रंथ साहिब को पूर्ण किया, जिसमें कुल 1430 पृष्ठ हैं। गुरू ग्रंथ साहिब का कार्य तथा गुरू अर्जुनदेव जी का सेवाभाव कुछ असामाजिक तत्वों को रास नहीं आया, जिन्होंने इसके खिलाफ बादशाह अकबर के दरबार में शिकायत कर डाली कि ग्रंथ में इस्लाम के खिलाफ काफी गलत बातें लिखी गई हैं लेकिन जब अकबर को ग्रथ में संकलित गुरूवाणियों की महानता का आभास हुआ तो उसने 51 मोहरें भेंट कर खेद प्रकट किया। अकबर के देहांत के बाद दिल्ली का शासक बना निर्दयी और कट्टरपंथी जहांगीर, जिसे गुरू अर्जुनदेव जी के धार्मिक और सामाजिक कार्य फूटी आंख नहीं सुहाते थे। जहांगीर ने 28 अप्रैल 1606 को उन्हें सपरिवार पकड़ने का फरमान जारी कर दिया। आखिरकार लाहौर में गुरूजी को बंदी बना लिया गया और उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। क्रूर शासक के फरमान पर 30 मई 1606 को गुरू अर्जुन देव को लाहौर में भीषण गर्मी के दौरान लोहे के बुरी तरह तपते तवे पर बिठाकर शहीद कर दिया गया। तपते तवे और तपती रेत से भी गुरूजी जरा भी विचलित नहीं हुए और हंसते-हंसते असहनीय कष्ट झेलते हुए भी उन्होंने सभी की भलाई के लिए ही अरदास की। जब उनके शीश पर आग सी तपती रेत डालने पर उनका शरीर बुरी तरह से जल गया तो उन्हें जंजीरों से बांधकर रावी नदी में फैंक दिया गया लेकिन उनका शरीर रावी में विलुप्त हो गया। रावी नदी में जिस स्थान पर गुरूजी का शरीर विलुप्त हुआ, वहां गुरूद्वारा डेरा साहिब का निर्माण किया गया, जो अब पाकिस्तान में है।

सू-दोकू नवताल -2132

2	5				3			9
		6	5				7	1
1		9			8		2	
	7		3			1		
	6		9		5		3	
		4			7		8	
	2		7			9		8
9	4				6	2		
7			2				4	3

सू-दोकू -2131 का हल

3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2132

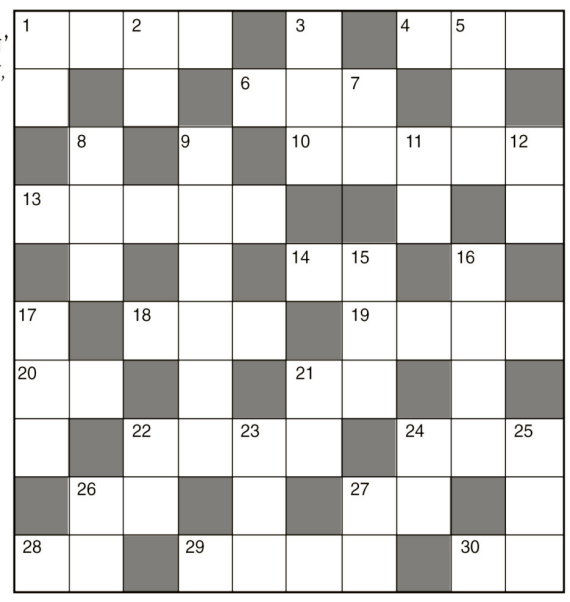

बायें से दायें:-

1. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-4
4. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-3
10. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-5
14. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-2
18. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-4
20. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-2
22. ऋषिक पूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-4
24. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-3
26. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-2
27. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-2
28. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-2
29. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-4
30. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2

ऊपर से नीचेः-

1. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-2
2. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-2
3. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-3
5. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-3
7. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-2
8. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-2,1,3
11. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-2
12. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
15. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-3
16. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-4
17. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-3
21. राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-3
24. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-2
25. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-3
26. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-2
27. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2131

म	न	में	दि	र		गु	म	रा	ह
धु		थ		न	गी	ना		धि	
में	हा	न	ता		त	ह	की	का	त
ती			क	र्ज			म		प
	अ	मृ	त		चा	ह	त		स्या
सं		त्यु		मु	नी	म		श	
ग्र	रौ	दा		क्ति		रा	जा	बा	बू
र्ष		ता	ल		आ	ज		ना	म
	कौ		गा	य	ब		जू		
खा	न	दा	न		रू	दा	ली		माँ

एमजी मोटर इंडिया और कैस्ट्रॉल इंडिया ने जियो-बीपी के साथ हाथ मिलाया

मुंबई । वाहन विनिर्माता एमजी मोटर इंडिया और लुब्रिकेंट ब्रांड कैस्ट्रॉल इंडिया ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के समाधान के लिए जियो-बीपी के साथ हाथ मिलाया है। एमजी मोटर ने इसकी जानकारी दी। भागीदारी के तहत जियो-बीपी, एमजी मोटर और कैस्ट्रॉल चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग ढांचा स्थापित करने के लिए संभावनाओं की तलाश करने वाले हैं। साथ ही कैस्ट्रॉल के मौजूदा वाहन सेवा नेटवर्क को बढ़ावा भी दिया जाएगा। वाहन विनिर्माता ने कहा यह साझेदारी जियो-बीपी और एमजी मोटर के ईवी ग्राहकों को बड़ा और विश्वसनीय चार्जिंग ढांचा प्रदान करने और देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। जियो-बीपी दरअसल रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और बीपी का एक संयुक्त उद्यम है। यह ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर रहा है जिससे ईवी क्षेत्र से जुड़ी सभी कंपनियों को लाभ मिले। जियो-बीपी पल्स मोबाइल एप के जरिये ग्राहक आसानी से आसपास के चार्जिंग स्टेशन ढूंढ सकते हैं और अपने ईवी को बिना किसी बाधा के चार्ज कर सकते हैं।

ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक में 1,700 करोड़ निवेश करेगी सऊदी निवेशक फर्म

मुंबई । सऊदी अरब स्थित वैश्विक निवेशक फर्म अब्दुल लतीफ जमील ने कहा है कि वह ग्रीव्ज कॉटन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इकाई ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में 22 करोड़ डॉलर (लगभग 1,700 करोड़ रुपए) का निवेश करने पर विचार कर रही है। ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक ने गुरुवार को कहा कि इस निवेश समझौते के तहत शुरुआत में जमील 15 करोड़ डॉलर का निवेश कर कंपनी में 35.8 प्रतिशत हिस्सेदारी लेगी। इस तरह वह कंपनी की दूसरी बड़ी शेयरधारक बन जाएगी। बयान के मुताबिक इस निवेश राशि का इस्तेमाल नए उत्पाद बनाने, ब्रांड निर्माण एवं विनिर्माण क्षमता बढ़ाने में किया जाएगा। ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी फिलहाल इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाती है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 62,000 ई-वाहनों की बिक्री के साथ 128 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हासिल की है। निवेशक फर्म अब्दुल लतीफ जमील के उपाध्यक्ष हसन जमील ने कहा कि हम भारतीय ई-मोबिलिटी बाजार में एक महत्वपूर्ण समय पर ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक में निवेश करने जा रहे हैं।

एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन मई में 14 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की खनिज कंपनी एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन मई में 14 प्रतिशत बढ़कर 32 लाख टन हो गया। इस्पात मंत्रालय ने कहा कि एक साल पहले के समान महीने में एनएमडीसी ने 28 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन किया था। एनएमडीसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि उत्पादन में हमारी सतत वृद्धि ने एनएमडीसी को न केवल भारत की सबसे तेजी से बढ़ती लौह अयस्क खनन कंपनी बना दिया है बल्कि हम घरेलू इस्पात क्षेत्र के सर्वाधिक टिकाऊ आपूर्तिकर्ता बनकर भी उभरे हैं। उन्होंने कहा कि एनएमडीसी ने बदलते समय के साथ उन्नत प्रौद्योगिकी और डिजिटल साधनों को भी अपनाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। इस्पात मंत्रालय के अधीन संचालित एनएमडीसी देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक एवं विक्रेता कंपनी है।

डीजीसीए ने इंदौर प्रकरण में विस्तारा पर 10 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली । विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने इंदौर हवाईअड्डे पर समुचित रूप से प्रशिक्षित नहीं किए गए पायलट को भी विमान उतारने की अनुमति देने के लिए विस्तारा एयरलाइन पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अधिकारियों ने कहा कि इस उड़ान के प्रथम अधिकारी के रूप में तैनात पायलट ने एक सिम्युलेटर में अपेक्षित प्रशिक्षण प्राप्त किए बिना विमान को इंदौर हवाईअड्डे पर उतारा था। अधिकारी ने कहा कि यह एक गंभीर उल्लंघन था जिससे विमान में सवार यात्रियों की जान को खतरा हो सकता था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस मामले में विस्तारा एयरलाइन को दोषी मानते हुए उस पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाने का फैसला किया है। हालांकि यह अभी साफ नहीं हो पाया है कि इस विमान ने कहां से उड़ान भरी थी और यह घटना कब घटी थी। किसी उड़ान के प्रथम अधिकारी के रूप में तैनात पायलट को पहले एक सिम्युलेटर में विमान उतारने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। उसके बाद ही वह यात्रियों के साथ विमान को उतारने के योग्य माना जाता है। इसके अलावा विमान के कैप्टन को भी सिम्युलेटर में प्रशिक्षण लेना जरूरी होता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में उछाल से बाहर ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 436.94 अंक तकरीबन 0.79 फीसदी ऊपर आकर 55,818.11 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 510.75 अंक तक उछल गया था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 105.25 अंक तकरीबन 0.64 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,628 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस और इंडसइंड बैंक के शेयर उपर आये हैं। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी लि., हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावरग्रिड और एचडीएफसी बैंक के शेयर नीचे आये हैं। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,930.16 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त में रहा। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही।

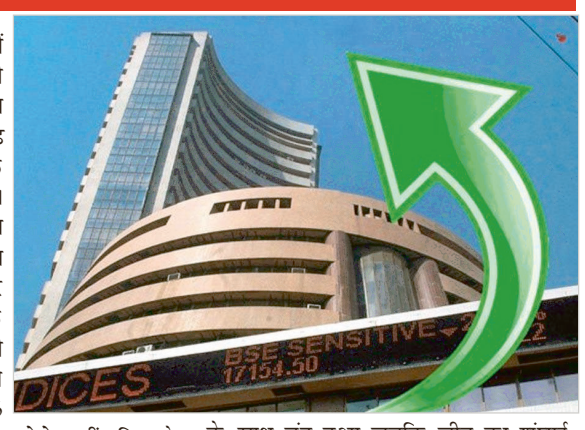

अशोक लेलैंड ने बाजार में उतारा बाहुबली आठ पहिया ट्रक एवीटीआर 2620

चेन्नई । भारी वाहन विनिर्माता और वाणिज्यिक वाहन कंपनी अशोक लेलैंड ने गुरुवार को अपना पहला बाहुबली आठ-पहिया ट्रक एवीटीआर 2620 बाजार में उतारा है। कंपनी का इरादा 'लिफ्ट एक्सल प्रौद्योगिकी' पर आधारित ट्रकों की पूरी श्रृंखला वाला खिलाड़ी बनने का है। कंपनी ने कहा, 'एवीटीआर 2620 को उतारने के साथ अशोक लेलैंड देश की पहली और एकमात्र कंपनी बन गई है, जिसके पास लिफ्ट एक्सल प्रौद्योगिकी पर आधारित 25.5 से 47.5 टन के सकल वाहन भार (जीवीडब्ल्यू) की पूरी श्रृंखला है।' कंपनी के (मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहन) प्रमुख, संजीव कुमार ने कहा, 'एवीटीआर 2620 अशोक लेलैंड की अपने ग्राहकों को बेहतर लॉजिस्टिक समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।'

सैट ने एनएसई की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण को दो करोड़ की राशि जमा करने दिया और समय

नई दिल्ली ।

प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने नियम कुछ शिथिल करते हुए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण पर को कंपनी के कामकाज के संचालन में चूक से संबंधित एक मामले में दो करोड़ रुपये की राशि जमा करने के लिए थोड़ी और मोहलत दे दी है। सैट ने 31 मई को जारी अपने आदेश में कहा, 'हमारे 11 अप्रैल, 2022 को जारी धन जमा करने के आदेश की अवधि चार सप्ताह और के लिए बढ़ा दी गई है।' अपीलीय न्यायाधिकरण ने 11 अप्रैल को अपने आदेश में रामकृष्ण की याचिका स्वीकार कर ली थी और उन्हें छह सप्ताह के भीतर दो करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया था। सैट ने कहा था कि यदि इतनी राशि जमा की जाती है, तो अपील के लंबित रहने के दौरान शेष राशि की वसूली नहीं की जाएगी। इसके अलावा सैट ने एनएसई को सेबी के आदेश के विपरीत रामकृष्ण के अवकाश से जुड़ी नकदी और बोनस के रूप में चार करोड़ रुपये से अधिक की राशि एस्क्रो खाते में जमा करने को कहा है। जबकि सेबी ने इस राशि को निवेशक संरक्षण कोष न्यास में जमा करने का निर्देश दिया था। सैट ने 31 मई को एक नया आदेश पारित करते हुए कहा, '11 अप्रैल, 2022 के हमारे आदेश को बदलने के लिए कोई आधार नहीं अपनाया या बनाया गया है। आवेदन खारिज कर दिया गया है।' रामकृष्ण के वकीलों ने दरअसल इससे पहले अपील के लंबित रहने के दौरान इस आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया था। सैट ने कहा कि इन सभी सवालों पर अपील की सुनवाई के दौरान विचार किया जाएगा।

एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष में बढ़ाया जीडीपी ग्रोथ का अनुमान, 7.5 फीसदी रह सकती है विकास दर

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र अग्रणी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने भारत के चालू वित्त वर्ष में ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (जीडीपी) ग्रोथ के अनुमान को 7.3 फीसदी से बढ़ाकर 7.5 फीसदी कर दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि बैंक ने जीडीपी ग्रोथ रेट अनुमान में 0.2 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसकी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 22 में इकोनॉमी 8.7 फीसदी बढ़कर 147 लाख करोड़ रुपये की हो गई। भारत ने इस अवधि के दौरान वास्तविक रूप से 11.8 लाख करोड़ रुपये जोड़े हैं। हालांकि, कोरोना महामारी पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में यह सिर्फ 1.5 फीसदी ही अधिक है।

एसबीआई के चीफ इकोनॉमिस्ट सौम्यकांति घोष ने गुरुवार को एक नोट में कहा, अत्यधिक महंगाई और उसके बाद ब्याज दरों में संभावित वृद्धि को देखते हुए हमारा मत है कि वित्त वर्ष 2022-23 में वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 11.1 लाख करोड़ रुपये का होगा। यह चालू वित्त वर्ष में 7.5 फीसदी की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ को दर्शाता है, जो हमारे पिछले अनुमान से 0.2 फीसदी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल से अधिक रहने से चालू वित्त वर्ष में महंगाई 6.5-6.7 फीसदी रह सकती है। जहां तक मौजूदा मूल्य पर जीडीपी के आकार का सवाल है, तो 2021-22 में यह 38.6 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 237 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो सालाना आधार पर 19.5 फीसदी ग्रोथ को दर्शाता है। घोष के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही में महंगाई के ऊंचे स्तर पर बने रहने की आशंका के बीच मौजूदा मूल्य पर जीडीपी इस साल 16.1 फीसदी बढ़कर 275 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। एसबीआई की इस रिपोर्ट में कंपनियों के रेवेन्यू और प्रॉफिट में हो रही ग्रोथ और बढ़ते बैंक लोन के साथ इकोनॉमिक व्यवस्था में मौजूद पर्याप्त नकदी का भी उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष में शेयर बाजार में लिस्टेड करीब 2,000 कंपनियों के रेवेन्यू में 29 फीसदी ग्रोथ दर्ज की गई। यही नहीं, 1 साल पहले की तुलना में उनका प्रॉफिट 52 फीसदी तक बढ़ गया।

लिक्विडिटी के मोर्चे पर यह रिपोर्ट कहती है कि भारतीय रिजर्व बैंक धीरे-धीरे रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमिक ग्रोथ को समर्थन देगा। जून और अगस्त में होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षाओं के दौरान आरबीआई रेपो दर में 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकता है। वहीं, इस महीने कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केंद्रीय बैंक कोरोना काल में 4 फीसदी पर रही रेपो दर में कुल 1.25-1.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकता है। आरबीआई ने पिछले महीने रेपो दर में 0.4 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। साथ ही, सीआरआर में 0.5 फीसदी वृद्धि की थी।

पेट्रोल पंप डीलरों की ज्यादा कमीशन की गुहार

कंपनियां बोलीं- मामला कानून के पास, कुछ नहीं कर सकते

नई दिल्ली । पेट्रोल पंप संचालक कंपनियों से अधिक कमीशन की मांग कर रहे है उनका कहना है कि पेट्रोल और डीजल ऊंचे दामों में मिल रहे, लेकिन जिस पेट्रोल पंप से हम तेल खरीदते हैं, उनका कहना है कि कमाई अब बेहद कम हो गई है। बस बाबत डीलरों ने आवाज तो उठाई लेकिन कंपनियां अभी उनका कमीशन बढ़ाने के मूड में नहीं दिख रहीं। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। लिहाजा सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) फिलहाल डीलरों का कमीशन नहीं बढ़ाना चाहती हैं। डीलरों ने भी पिछली बार हुई बढ़ोतरी का लाभ अभी तक कर्मचारियों को नहीं दिया है। साल 2017 में डीलरों का कमीशन 55 फीसदी बढ़ाया गया था, लेकिन इससे होने वाले लाभ को पंप पर काम करने वाले कर्मचारियों तक नहीं पहुंचाया गया। पेट्रोल पंप एसोसिएशन कई बार ओएमसी से उनका कमीशन बढ़ाने की मांग कर चुके हैं और सुनवाई नहीं होने पर उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में भी अपील की थी। यहां दिल्ली हाईकोर्ट ने ओएमसी के पक्ष में फैसल सुनाया तो डीलर संगठन सुप्रीम कोर्ट जा पहुंचे। हाईकोर्ट में ओएमसी ने कहा कि डीलरों ने पिछली बार की गई बढ़ोतरी का लाभ अपने कर्मचारियों तक नहीं पहुंचाया। उन्हें अपने कर्मचारियों को केंद्र की ओर से तय मिनिमम वेज के साथ पीएफ, बोनस और ग्रेच्युटी भी देना चाहिए। ओएमसी अधिकारी ने कहा, चूंकि अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधानी है, लिहाजा कंपनियां अभी कमीशन रिवाइज करने पर कोई फैसला नहीं कर सकती हैं। इस बाबत सही जवाब के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के पास सवाल भेजे गए हैं। जिस पर फिलहाल अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। ऑल इंडिया पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय बंसल का कहना है कि पेट्रोल पंप सरकार की ओर से तय किए गए मिनिमम वेज को अपने कर्मचारियों को देने के लिए बाध्य हैं। लेकिन, अभी डीलर्स को मिल रहे कमीशन पर भी ध्यान देना चाहिए। अभी डीलर्स को पेट्रोल पर प्रति लीटर 2.90 रुपये और डीजल पर 1.85 रुपये का कमीशन दिया जा रहा है। पंप डीलर्स इससे पहले अपने कमीशन के लिए हड़ताल भी कर चुके हैं। पिछले महीने देशभर के करीब 70 हजार पेट्रोल पंप ने ओएमसी से एक दिन के लिए तेल खरीदने से इनकार कर दिया था। हालांकि, इसका उपभोक्ताओं पर असर नहीं पड़ा के योंकि पंप के पास एक-दो दिन का रिजर्व तेल रहता है, लेकिन पेट्रोलियम कंपनियों के करोड़ों लीटर तेल एक दिन के लिए नहीं बिक सके थे। बावजूद इसके कमीशन को लेकर अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ।

इरडा ने स्वास्थ्य, साधारण बीमा उत्पादों के लिए मंजूरी नियमों में ढील दी

नई दिल्ली।

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य और ज्यादातर साधारण बीमा उत्पादों की पेशकश उसकी (इरडा) मंजूरी के बिना करने की अनुमति दे दी है। इस कदम से कारोबार सुगमता की स्थिति में सुधार होगा। साथ ही बीमा कंपनियां बिना नियामक की मंजूरी के ग्राहकों को अपने उत्पादों की पेशकश कर सकेंगी। इरडा ने भारत को पूरी तरह बीमा के तहत लाने के लिए सभी स्वास्थ्य और लगभग सभी साधारण बीमा उत्पादों के लिए यूज एंड फाइल प्रक्रिया में बदलाव किया है। भारत को पूरी तरह बीमा के तहत लाने के सुधार उपायों के तहत यह कदम उठाया गया है। इरडा ने कहा कि यह बीमा क्षेत्र में कारोबार सुगमता की दिशा में एक कदम है। मौजूदा व्यवस्था में उत्पादों को ऐसी व्यवस्था में पेश करने के लिए पूर्व-स्वीकृति की आवश्यकता होती है, जबकि इन्हें बिना पूर्व-मंजूरी के पेश किया जा सकता है। बीमा नियामक ने कहा इस पहल से बीमा उद्योग उपयुक्त उत्पादों को समय पर पेश करने में सक्षम होंगे।

भारत को 2030 तक स्वास्थ्य क्षेत्र में 1.3 अरब वर्ग फुट अतिरिक्त जगह की जरूरत: सीबीआरई

नयी दिल्ली,

भारत को आबादी के हिसाब से अस्पताल में बिस्तरों (बेड) के वैश्विक औसत तक पहुंचने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में 2030 तक 1.3 अरब वर्ग फुट अतिरिक्त जगह की जरूरत होगी। रियल एस्टेट कंपनी सीबीआरई ने एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है।

सीबीआरई की रिपोर्ट 'द इवॉल्विंग इंडियन हेल्थकेयर इकोसिस्टम- व्हाट इट मीन्स फॉर द रियल एस्टेट सेक्टर' में कहा कि 2019 में भारत में उपलब्ध बिस्तरों की कुल संख्या 19 लाख थी। जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 90 करोड़ वर्ग फुट था। सलाहकार कंपनी ने अनुमान जताया है कि अस्पतालों में बिस्तरों की वैश्विक औसत संख्या तक पहुंचने के लिए भारत को 2030 तक 29 लाख बिस्तरों की जरुरत होगी। रिपोर्ट के अनुसार, आबादी के मुकाबले बिस्तरों की वैश्विक औसत संख्या तक पहुंचने के लिए भारत को 2030 तक अतिरिक्त 1.3 अरब वर्ग फुट क्षेत्र की जरूरत होगी। सीबीआरई दक्षिण एशिया ने एक बयान में कहा, ''पूरे विश्व में भारत आबादी के हिसाब से सबसे कम अस्पताल बिस्तरों वाले देशों में से एक है।''

रिपोर्ट में में यह भी पाया गया कि भारत के दूसरे और तीसरे श्रेणी के शहरों में अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है।

सीबीआरई के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका) अंशुमान मैग्जीन ने कहा, ''भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र बढ़ती आमदनी, स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता, स्वास्थ्य बीमा तक बेहतर पहुंच और स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकार का खर्च बढ़ने की वजह से तेजी से आगे बढ़ रहा है।''

अडानी ने एग्रीकल्चरल ड्रोन बनाने स्टार्टअप कंपनी से किया समझौता

नई दिल्ली । सीमेंट कारोबार में प्रवेश करने के बाद देश के प्रमुख उद्योगपतियों में शुमार गौतम अडानी ने एक नए सेक्टर में कदम रखा है। उन्होंने अब अपने नए कारोबार के तहत एग्रीकल्चरल ड्रोन बनाने का फैसला किया है। इसके लिए उन्होंने स्टार्टअप कंपनी जनरल एयरोनॉटिक्स के साथ समझौता किया है। बताया जा रहा है कि गौतम अडानी जनरल एयरोनॉटिक्स की 50 फीसदी हिस्सेदारी की खरीद करेंगे। हालांकि, यह सौदा कितने में हुआ है, इस बात की अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। वर्तमान में ड्रोन के इस्तेमाल और उसकी उपयोगिता को लेकर केंद्र सरकार काफी उत्साहित नजर आ रही है। इतना ही नहीं, केंद्र सरकार ने ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देने के लिए जुलाई 2021 को नई ड्रोन नीति बनाई है। उसके बाद से लगातार सरकार ड्रोन की उपयोगिता बढ़ाने को लेकर प्रयास कर रही है। अब अडानी के इस कारोबार में कदम रखने के बाद इस सेक्टर में तेजी आ सकती है। गौरतलब है कि स्टार्टअप कंपनी जनरल एयरोनॉटिक्स घरेलू स्तर पर फसलों की सुरक्षा और उनकी देखभाल के लिए व्यावसायिक रोबोटिक ड्रोन और ड्रोन आधारित हल का निर्माण करती है।

सेमीकंडक्टर की कमी के बावजूद ऑटोमोबाइल सेक्टर ने किया बेहतर प्रदर्शन

मुंबई । मारुति सुजुकी, हुंडई और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों की बिक्री में मई, 2022 में उछाल दर्ज किया गया है। दुनिया भर में सेमीकंडक्टर की कमी के बावजूद सभी क्षेत्रों में यात्री वाहनों की मजबूत मांग के कारण कंपनियों ने डीलरों को अच्छी-खासी संख्या में वाहनों की आपूर्ति की। महिंद्रा एंड महिंद्रा, किआ इंडिया, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, होंडा कार्स और स्कोडा ने भी पिछले महीने बाजार में अपने वाहनों की मजबूत मांग देखी। मारुति सुजुकी पहले नंबर पर है, जबकि हुंडई को पछाड़ते हुए टाटा दूसरे नंबर पर आ गई है। घरेलू थोक बिक्री के मामले में मई, 2022 के दौरान टाटा मोटर्स के वाहनों की बिक्री हुंडई से अधिक रही। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की घरेलू बाजार में बिक्री मई में बढ़कर 1,34,222 इकाई हो गई। देश में कोरोना की दूसरी लहर के कारण कंपनी ने मई, 2021 में सिर्फ 35,293 वाहन बेचे थे। कंपनी ने कहा कि इस साल मई में स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर जैसे मॉडलों सहित कॉम्पैक्ट खंड में बिक्री 67,947 इकाई रही। पिछले साल की समान अवधि में यह 20,343 इकाई थी। वहीं कंपनी ने रिकॉर्ड बनाते हुए 27,191 गाड़ियां निर्यात कीं, जो अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 11,262 गाड़ियां निर्यात की थीं। घरेलू बाजार में बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर टाटा मोटर्स रही। कंपनी की बिक्री मई में बढ़कर 43,341 इकाई पर पहुंच गई। यह कंपनी की अबतक की सबसे अधिक मासिक बिक्री है। टाटा मोटर्स की सेल्स में 185 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। हुंडई मोटर इंडिया की घरेलू थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर बढ़कर 42,293 इकाई पर पहुंच गई। हुंडई मोटर ने कहा कि चेन्नई में कंपनी के दोनों संयंत्रों में रखरखाव से उसका उत्पादन प्रभावित रहा। इसके कारण पिछले महीने 16 से 21 मई.... छह दिनों में कोई उत्पादन नहीं हुआ। कंपनी के अनुसार, इसके कारण वाहनों की उपलब्धता उस महीने के दौरान कम रही जिसका बिक्री के आंकड़ों (घरेलू और निर्यात दोनों) पर असर पड़ा। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) की घरेलू बिक्री मई में 26,904 इकाई की रही। एमएंडएम के अधिकारी ने कहा, ''मई में हमने 26,632 एसयूवी बेची हैं।

किआ ने ईवी6 के साथ इलेक्ट्रिक वाहन खंड में कदम रखा

नयी दिल्ली,

दक्षिण कोरिया की वाहन कंपनी किआ ने बृहस्पतिवार को भारतीय बाजार में ईवी6 मॉडल को उतारने के साथ ही इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में दस्तक दे दी है। इसकी शोरूम कीमत 59.95 लाख रुपये है। किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ताए-जिन पार्क ने ईवी6 को पेश करते हुए कहा कि इस वाहन को इलेक्ट्रिक वाहन के लिए खासतौर पर विकसित प्लेटफॉर्म ई-जीएमपी पर बनाया गया है। यह मॉडल दो संस्करणों में उपलब्ध है जिनकी कीमत क्रमशः 59.95 लाख और 64.95 लाख रुपये रखी गई है। कंपनी ने कहा कि पहले ही इसकी 350 से अधिक बुकिंग हो चुकी है। पहले इस मॉडल के सिर्फ 100 वाहन लाने की घोषणा की गई थी लेकिन अब कंपनी संख्या बढ़ा रही है। पार्क ने कहा कि किआ इंडिया ईवी खंड में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए निवेश करेगी। उन्होंने कहा, ''हम भारत के लिए ईवी बनाने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं।

कंपनी इस बाजार के लिए विभिन्न बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों का मूल्यांकन कर रही है।''

उन्होंने कहा कि खासतौर पर भारत को ध्यान में रखते हुए एक इलेक्ट्रिक वाहन वर्ष 2025 तक पेश करने की योजना है। उन्होंने कहा कि किआ भारत के विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं की जरूरतों के हिसाब से अलग-अलग इलेक्ट्रिक वाहन लाने पर विचार कर रही है।

द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलायें कोई याद नहीं रखता, सिर्फ विश्व कप में हो ट्वेंटी20 क्रिकेट: शास्त्री

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली7 पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री मानते हैं कि टी20 प्रारूप अंतरराष्ट्रीय टीमों के बीच द्विपक्षीय श्रृंखलाओं के लिये नहीं है बल्कि इसे सिर्फ विश्व कप तक ही सीमित रखा जाना चाहिए। शास्त्री की यह टिप्पणी भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले आयी है।

भारत के सबसे सफल कोचों में से एक शास्त्री को यह भी लगता है कि खेल प्रेमियों के उत्साह को देखते हुए जहां तक छोटे प्रारूप की बात है तो सबसे अच्छा तरीका फ्रेंचाइजी क्रिकेट के साथ दो साल में टी20 विश्व कप होगा। शास्त्री ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''टी20 में काफी द्विपक्षीय क्रिकेट हो रहा है। मैंने यह पहले भी कहा है, यहां तक कि जब मैं भारतीय टीम का कोच था तब भी। यह मेरे सामने हो रहा था। '' उन्होंने कहा, ''यह 'टी20 क्रिकेट' फुटबॉल की तरह से होना चाहिए जहां, आप सिर्फ विश्व कप खेलते हो। द्विपक्षीय टूर्नामेंट को कोई याद नहीं रखता।'' भारतीय कोच के तौर पर शास्त्री का कार्यकाल पिछले साल खत्म हुआ था। उन्होंने कहा कि उन्हें ''भारतीय कोच के तौर पर पिछले छह-सात के कार्यकाल के दौरान विश्व कप को छोड़कर एक भी टी20 मैच याद नहीं है। '' उन्होंने कहा, ''एक टीम विश्व कप जीतती है, वे इसे याद रखती हैं। दुर्भाग्य से हम नहीं, इसलिये मुझे यह भी याद नहीं।'' शास्त्री ने कहा, ''दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेला जा रहा है, प्रत्येक देश को अपना फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने की अनुमति है, जो उनका घरेलू क्रिकेट है और फिर प्रत्येक दो वर्ष में आप एक विश्व कप (टी20) खेलो। '' इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले पांच साल के चक्र के मीडिया एवं प्रसारण अधिकार जून में बिकेंगे। आईपीएल के भविष्य पर बात करते हुए पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा, ''मुझे लगता है कि भविष्य में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में आईपीएल के दो चरण हो सकते हैं। और यह भी ज्यादा दूर की बात नहीं है। '' शास्त्री ने भी चोपड़ा से सहमति जतायी। उन्होंने कहा, ''यह भविष्य है। '' उन्होंने कहा, ''आगे यह हो सकता है। 140 मैचों को 70-70 में बांट दिया

जाये, दो सत्र में। आप कुछ नहीं कह सकते। '' उन्होंने कहा, ''आप सोच सकते हो कि यह 'अत्यधिक' है लेकिन भारत में कुछ भी 'ओवरडोज' (ज्यादा) नहीं है। मैं बायो-बबल के बाहर लोगों को देख चुका हूं, कोविड-19 से बाहर आने के बाद पिछले कुछ महीनों में लोगों ने किस तरह इसकी समीक्षा की है और वे इसके हर पल का लुत्फ उठा रहे हैं और इसके खत्म होने पर उन्हें निराशा भी हो रही है।

पहली बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे सिलिक

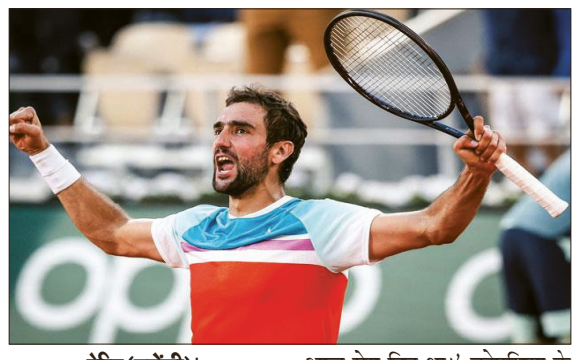

पेरिस (एजेंसी)।

पेरिस = क्रोएशिया के मरीन सिलिक ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में आंद्रे रुबलेव को हराकर पहली बार टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश कर लिया है। सिलिक ने कोर्ट फिलिप चेट्रीट में बुधवार को चार घंटे 10 मिनट चले मुकाबले में रुबलेव को 5-7, 6-3, 6-4, 3-6, 7-6 (10-2) से मात दी। जीत के बाद सिलिक ने कहा, 'आंद्रे ने बेहतरीन टेनिस खेला, लेकिन हम में से एक ही आगे जा सकता था। आज मेरा दिन था।' क्रोएशिया के सिलिक चारों ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पांचवे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रॉजर फेडरर और एंडी मरे ऐसा कर चुके हैं। अब सिलिक शुक्रवार को होने वाले सेमीफाइनल में विश्व के नंबर आठ खिलाड़ी कैस्पर रूड का सामना करेंगे। इसके अलावा दूसरे पुरुष एकल सेमीफाइनल में राफेल नडाल और एलेक्जेंडर ज़्वेरेव आमने-सामने आएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम कोच के बिना ही श्रीलंका दौरे पर पहुंची

कोलंबो। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम तय कार्यक्रम के अनुसार श्रीलंका दौरे पर पहुंच गयी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपने इस दौरे में दो टेस्ट, पांच एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है। इस दौरे में टीम के साथ कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड नहीं गये हैं क्योंकि वह अभी कोरोना संक्रमण से पीड़ित हैं हालांकि उनके दूसरे टी20 मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ने की उम्मीदें हैं। इस दौरे में पैट कमिंस टेस्ट टीम जबकि आरोन फिंच एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी संभालेंगे।

पिछले छह साल में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार श्रीलंका दौरे पर पहुंची है। श्रीलंका में जारी आर्थिक अस्थिरता और तनाव को देखते हुए इस दौरे को लेकर जो आशंकाएं लगायी गयीं थीं अब वह गलत साबित हुई हैं। इस दौर पर मेहमान टीम दो टेस्ट और आठ सीमित ओवरों के मैच खेलेगी। सीरीज का पहला टी20 मैच 7 जून को खेला जाएगा। मैक्डोनाल्ड के टीम के साथ नहीं होने के कारण इस मैच में सहायक कोच माइकल डी वेंनुतो टीम के साथ कोच के तौर पर रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे के लिए तीन मजबूत दल तैयार किये हैं। ऑस्ट्रेलिया का यह दौरा सात सप्ताह का होगा। इस दौरे की शुरुआत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से होगी। सीरीज का पहला टी20 मैच 7 जून को कोलंबो में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच आर प्रेमदासा स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा। वहीं तीसरे टी20 के लिए दोनों टीमें पल्लेकेले पहुंचेंगी।

टी20 सीरीज जीतने के इरादे से भारत पहुंची दक्षिण अफ्रीकी टीम

टीम इंडिया के पास सीरीज में विश्व रिकार्ड बनाने का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के साथ 9 जून से होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम गुरुवार सुबह दिल्ली पहुंची। वहीं आईपीएल में भाग लेने के कारण भारत में ही रहे तीन क्रिकेटर क्विंटन डिकॉक, डेविड मिलर और कगिसो रबाडा भी इस टीम से जुड़ जाएंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी युवा बल्लेबाज लोकेश राहुल करेंगे। टीमें में कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिया जाएगा। वहीं इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका भी कई युवा खिलाड़ियों को अवसर दे रही है। इसमें एक खिलाड़ी ट्रिस्टियन स्टब्स भी शामिल हैं। स्टब्स ने आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेला था हालांकि वह विफल रहे थे। वहीं अब उनकी नजरें भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन की रहेंगी।

टीम इंडिया के पास इस सीरीज में एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। टीम ने पिछले 12 टी20 जीते हैं। ऐसे अगर वह पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका को हरा देती है, तो लगातार सबसे अधिक टी20 मैच जीतने वाली टीम बन जाएगी। भारत ने पिछली तीनों टी20 सीरीज में सभी मैच जीते थे। तब भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड , वेस्टइंडीज और

श्रीलंका को हराया था। भारत के अलावा अफगानिस्तान और रोमानिया ने भी लगातार 12 टी20 मुकाबले जीते हैं।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावूमा ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए इस सीरीज से टीम को अपनी तैयारियां बेहतर करने का समय मिलेगा। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत को विश्व रिकॉर्ड बनाने से रोकना रहेगा। आईपीएल में दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ियों क्विंटन डिकॉक, डेविड मिलर आदि का प्रदर्शन अच्छा था जिसका भी लाभ उसे मिलेगा क्योंकि ये खिलाड़ी अभी लय में हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम इस प्रकार है: टेम्बा बावूमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एंगिडी, एनरिक नोर्खिया, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टियन स्टब्स, रासी वान डेर डुसन और, मार्को यानसेन।

महान फुटबॉलर पेले की पुतिन से अपील, यूक्रेन में युद्ध बंद करें

साओ पाउलो । महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले ने ब्लादीमिर पुतिन से यूक्रेन पर रूसी हमले बंद करने की अपील की है। कैंसर का उपचार करा रहे 81 वर्ष के पेले ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के नाम अपना यह संदेश उसी दिन प्रकाशित किया है जब विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में यूक्रेन ने स्कॉटलैंड को 3.1 से हराया। अब यूक्रेन का सामना रविवार को वेल्स से होगा। पेले ने इंस्टाग्राम पर कहा, 'आज यूक्रेन ने कम से कम 90 मिनट के लिए देश के मौजूदा हालात को भूलने की कोशिश की। विश्व कप में जगह बनाना हमेशा मुश्किल होता है लगभग असंभव ही क्योंकि इतने जीवन दाव पर लगे होते हैं। हमला बंद करो। इस हिंसा को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता।' उन्होंने पुतिन को संबोधित करते हुए कहा, 'जब हम पिछली बार मिले थे तो हाथ मिलाए थे और मुस्कुराये थे। मैने कभी नहीं सोचा था कि इस तरह हमारे बीच मतभेद होंगे जैसे कि आज हैं।' उन्होंने कहा, 'इस लड़ाई को रोकना आपके हाथ में है। उन्हीं हाथों में जो मैने 2017 में मॉस्को में अपनी आखिरी मुलाकात के समय अपने हाथ से मिलाए थे।' संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के अनुसार यूक्रेन में जारी जंग में 4000 से अधिक नागरिक मारे गए हैं और 5000 के करीब घायल हैं।

एजुकेशन एप शुरु करेंगे गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि वह एजुकेशन एप शुरु करने जा रहे हैं। वहीं इससे पहले बुधवार शाम उनके एक ट्वीट से इस बात की अटकलें शुरु हो गयीं थीं कि वह अध्यक्ष पद से इस्तीफर देने जा रहे हैं जो बाद में बाद में गलत साबित हुई। इस मामले में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भी कहा था कि गांगुली के इस्तीफे की बातें गलत हैं। अब इसी मामले पर गांगुली ने कहा, 'मैंने एक नया एप लांच किया है, एजुकेशन एप, वर्ल्ड वाइड । यह एक एडुकेशन एप है, वर्ल्ड वाइड एप विथ क्लास प्लस।' गांगुली ने अपने इस नये काम को लेकर प्रशंसकों से समर्थन भी मांगा। उन्होंने कहा कि वह बोर्ड अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेट की सेवा करते रहेंगे। ट्वीट में उन्होंने बताया है कि नई पारी क्या है और साथ ही नये काम पर ध्यान देने की भी बात कही थी जिसको लेकर गलत निष्कर्ष निकाला गया।

साउथ अफ्रीका से भिड़ंत के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ मैदान में उतरेगा भारत, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगी टीम

एसटेलवीन (एजेंसी)।

आईपीएल खत्म हो चुका है क्रिकेट प्रेमी साउथ अफ्रीका के साथ होने वाली भारत के मैच का इंतजार कर रहे हैं। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टी20 सीजन के बाद जुलाई में टीम इंडिया वेस्टइंडीज से भिड़ेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भारत के वेस्टइंडीज दौरे की घोषणा की जिसमें 22 जुलाई से सात अगस्त तक दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जायेंगे। भारत 17 जुलाई को ब्रिटेन का सफेद गेंद का दौरा खत्म करेगा और जिन खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा वो सीधे इंग्लैंड से वेस्टइंडीज के लिये रवाना होंगे।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच एकदिवसीय मैच

सबसे पहले भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की पहली सीरीज होगी। 22 जुलाई को सबसे पहला वनडे मैच के प्रतिष्ठित क्रीज पार्क ओवल में खेले जाएंगे। उसके बाद 24 और 27 को आखिरी दो मैच होगें। इसमें जिस टीम ने दो मैच जीते वह विजेता होगी।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी20 मैच होगें

वनडे के बाद भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी20 मैच होंगे। पहला टी20 29 जुलाई को ब्रायन लारा स्टेडियम (पोर्ट ऑफ स्पेन) में खेला जाएगा और उसके बाद क्रमशः 1 और 2 अगस्त

को सेंट किट्स वार्नर पार्क में दो मैच खेले जाएंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवासी भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अंतिम दो मैच 6 और 7 अगस्त को फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। इस तरह से आइपीएल खत्म होने के बाद खिलाड़ियों का थोड़ा अराम दिया गया है और उसके बाद अगस्त तक का पूरा शेड्यूल भारतीय क्रिकेट टीम का फिक्स है।

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की क्या रहेगी सोच

पूरी श्रृंखला को विशेष रूप से फैनकोड पर लाइव-स्ट्रीम किया जाएगा। वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने आगामी सीरीज के बारे में कहा, 'हमारे पास एक युवा टीम है जो क्रिकेट के उस ब्रांड को बहाल करने के लिए उत्सुक है। वेस्टइंडीज एक नयी टीम बनकर उभरेगी और जिस कारण विश्वभर में वेस्टइंडीज के क्रिकेट को जाना जाता है वह उसी तरह से खेलेगी।

पंघाल और थापा सहित आठ मुक्केबाजों का राष्ट्रमंडल खेलों के लिये चयन

पटियाला । मुक्केबाज अमित पंघाल और शिवा थापा को आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय टीम में जगह मिली है। इन दोनो ने ही अपने ट्रायल्स मुकाबलों में जीत दर्ज की है। है पंघाल ने 51 किलोवर्ग में जबकि थापा ने 63.5 किलो वर्ग में अपना ट्रायल मुकाबला जीता। इनके अलावा मोहम्मद हसमुद्दीन ने 57 किलो, रोहित टोकस ने 67 किलो गत राष्ट्रीय चैम्पियन सुमित ने 75 किलो , आशीष कुमार ने 80 किलो, संजीत ने 92 किलो और सागर ने 92 किलो वर्ग से टीम में जगह बनायी। राष्ट्रमंडल खेल अगले माह बर्मिंघम में 28 जुलाई से आठ अगस्त तक खेले जायेंगे।

भारतीय टीम इस प्रकार है

अमित पंघाल (51 किलो),शिवा थापा (63.5 किलो), मोहम्मद हसमुद्दीन (57 किलो), रोहित टोकस (67 किलो), गत राष्ट्रीय चैम्पियन सुमित (75 किलो) , आशीष कुमार (80 किलो), संजीत (92 किलो) और सागर (92 प्लस किलो)।

भारत के स्वप्निल को आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में रजत मिला

बाकू । भारत के स्वप्निल कुसाले ने गुरूवार को यहां अजरबेजान की राजधानी बाकू में जारी आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में रजत पदक जीता है। स्वप्निल ने पुरूष वर्ग की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस (थ्रीपी) व्यक्तिगत स्पर्धा में यह रजत पदक जीता। स्वप्निल को यूक्रेन के सेरही कुलिश से स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में 10-16 से हराया। कुलिश ने रैंकिंग राउंड में 411 अंक का स्कोर बनाया था लेकिन स्वप्निल ने 409.1 अंक बनाये। वहीं फिनलैंड के एलेक्सी 407.8 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें कांस्य पदक मिला। भारत की राइफल टीम ने इससे पहले एक स्वर्ण और एक रजत जीता है। इसी के साथ अब भारतीय टीम पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। स्वप्निल ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष आठ रैंकिंग राउंड में दूसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद फिर स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में उसे यूक्रेनी खिलाड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा पर इंग्लैंड में मजबूत वापसी करूंगा: सिराज

मुंबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में मोहम्मद सिराज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से निराशाजनक प्रदर्शन किया लेकिन भारत के उभरते हुए गेंदबाजों में शामिल इस तेज गेंदबाज को उम्मीद है कि वह इंग्लैंड में पांचवें टेस्ट में लाल ड्यूक्स गेंद से मजबूत वापसी करेंगे। हाल में संपन्न आईपीएल में सिराज 15 मैच में 10.07 के इकोनॉमी रेट से सिर्फ नौ विकेट ही चटका पाए।

इससे भी निराशाजनक यह रहा कि उनके खिलाफ 31 छक्के लगे जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी एक सत्र में एक गेंदबाज के खिलाफ सर्वाधिक छक्के हैं। सिराज ने आस्ट्रेलिया में 2020-21 टेस्ट श्रृंखला में भारत की जीत पर बनी वेब सीरीज 'बंदों में था दम' का ट्रेलर लांच करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीटीआई से कहा, ''आईपीएल का यह सत्र उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

पिछले दो सत्र में मेरा प्रदर्शन अच्छा था और इस बार प्रदर्शन में गिरावट आई। लेकिन मैं पिछले दो साल के प्रदर्शन से आत्मविश्वास लूंगा।'' उन्होंने कहा, ''इस साल मेरे लिए खराब दौर रहा लेकिन मैं कड़ी मेहनत करके मजबूत वापसी करूंगा। मैं अपनी क्षमता और मजबूत पक्षों पर काम करूंगा।'' भारत के लिए खेल के लंबे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सिराज एजबस्टन में एक से पांच जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''टेस्ट मैच के लिए मेरी तैयारी अच्छी हो रही है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का इस्तेमाल होता है, इंग्लैंड के हालात में गेंदबाजी करना हमेशा अच्छा होता है और ये गेंदबाजों की मददगार होती हैं।'' पिछले साल टेस्ट श्रृंखला के दौरान भारतीय दल में कोविड मामलों के कारण पांचवें टेस्ट को स्थगित किया गया था और सिराज ने कहा कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए यह बेहद महत्वपूर्ण है। हैदराबाद के इस तेज गेंदबाज ने कहा, ''यह टेस्ट हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। हम 2-1 से आगे चल रहे हैं। यह अच्छा है कि टेस्ट के कार्यक्रम में बदलाव किया गया और हमें अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। हमें बढ़त हासिल है और यह अच्छा अहसास है।''आस्ट्रेलिया में हुई 2020-21 की टेस्ट श्रृंखला से पहले सिराज ने अपने पिता को गंवा दिया था। इसके बावजूद सिराज ने आस्ट्रेलिया में ही रुकने का फैसला किया और ब्रिसबेन में चौथे टेस्ट में पहली बार पारी में पांच विकेट चटकाए।

उन्होंने कहा, ''मेरे लिए सबसे यादगार लम्हा गाबा (ब्रिसबेन में) में पांच विकेट चटकाना है। यह काफी भावुक था और अब्बा के गुजरने के बाद मुझे काफी कुछ सहना पड़ा।'' सिराज ने कहा, ''पृथकवास के कारण स्थिति कड़ी थी लेकिन यह मेरे पिता का ख्वाब था कि मैं देश के लिए प्रदर्शन करूं और यह मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा थी।

नॉर्वे शतरंज: आनंद ने टोपालोव को हराया

स्टावेंजर । पूर्व विश्व चैम्पयन भारत के विश्वनाथन आनंद नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में लगातर दूसरी जीत के साथ ही छह अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। आनंद ने 36 चालों में ही बुल्गारिया के वेसलीन टोपालोव पर जीत दर्ज कर ली। इससे पहले इस भारतीय खिलाड़ी ने क्लासिकल वर्ग के पहले दौर में फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव को शिकस्त दी थी जबकि ब्लिट्ज वर्ग में वह चौथे स्थान पर रहे थे। वहीं ब्लिट्ज टूर्नामेंट जीतने वाले अमेरिका के वेसली सो ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को आर्मागेडोन में हराया और अब वह दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। कार्लसन और सो का मुकाबला 38 चाल के बाद ड्रॉ रहा था। आनंद अब विश्व लाइव रेटिंग सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं दूसरे दौर के अन्य मुकाबलों में वाचियेर लाग्रेव ने शखरियार मामेदियारोव को मात दी जबकि तैमूर राजाबोव ने नॉर्वे के आर्यन तारी को हराया। इसके अलावा नीदरलैंड के अनीश गिरी और वांग हाओ का आर्मागेडोन मुकाबला ड्रॉ खेला.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नजरंदाज न करें हल्का बुखार

मामूली बुखार, हड्डी तोड़ बुखार, ऐसा तेज बुखार कि जैसा कभी हमें जिंदगी में हुआ ही नहीं, हल्का बुखार, मियादी बुखार आदि कई तरह से आप इसे अपने चिकित्स से बताते हैं। बुखार को लेकर इतनी तरह की गलतफहमियां हैं और चिकित्सा विज्ञान की सीमाएं हैं कि इस मामूली-सी प्रतीत होती बीमारी के इन पक्षों को जानना जरूरी हो जाता है।

पहली बात तो यह कि कोई भी, कितना भी कम बुखार हो वह कभी भी मामूली नहीं होता। हर बुखार इस बात की घोषणा है कि शरीर में कुछ ऐसा गलत हो रहा है जिससे लड़ने के लिए शरीर के अपने हथियारों को चलाना शुरू कर देता है जिसका कारण यह गर्मी पैदा हो रही होती है। बल्कि हल्के बुखार कई मायनों में ज्यादा खतरनाक होते हैं।

अन्य बीमारियों का भी लक्षण

हल्का बुखार गठिया से लेकर साइकोलोसिक फीवर तक कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि आप किसी पक्ष की जांच न कराएं और दो माह बाद पता चले कि हड्डी में टीबी थी या आंतों में कैंसर था, जो आपने तब सोचा या देखा ही नहीं। कहना यह है कि हल्के बुखार को कभी भी हल्के में न लें। हमेशा किसी अच्छे डॉक्टर से इसकी सलाह लें क्योंकि मामूली बुखारों की डायग्नोसिस के लिए गैरमामूली डॉक्टर ही चाहिए जो इस जटिल चीज को समझता हो।

तापमान का बनाएं चार्ट

होने वाले बुखार को गंभीरता से लें क्योंकि बुखार यदि गंभीर हो गया तो लेने के देने पड़ सकते हैं। इससे भी पूर्व बेहतर सलाह होगी कि बुखार लगे तो थर्मामीटर से नापकर कागज पर रिकार्ड बनाते रहें। डॉक्टर को इससे बड़ी मदद मिलेगी। अलग-अलग समय पर तापमान अंकित करें। बहुत से मरीज कहते हैं कि हमारा हड्डी का बुखार है, या अंदरूनी बुखार है जो रहता तो है पर किसी भी थर्मामीटर में नहीं आ पाता। ऐसा कोई बुखार नहीं होता जो थर्मामीटर के पारे को नहीं चढ़ाता।

शाम को बढ़ सकता है शरीर का तापमान

जान पहचान के एक व्यक्ति को टायफायड तो ठीक हो गया परंतु रोज शाम होते-होते 99.8 डिग्री चढ़ जाता था। आस पास जो देखने जाता वह कहता अरे आपका टायफायड फिर बिगड़ गया है। मैंने सलाह दी कि यह नार्मल वेरिएशन है, समझदार थे मान गए तो सामान्यत: शाम को हमारा तापमान 99.9 तक भी हो जाए तो इसे बुखार न मानें। बस एक बार चिकित्सक को तय करने का मौका दें। शेष शरीर पर रखी पट्टियां इतनी जल्दी न बदलें क्योंकि हाथ-पांव की चमड़ी की पतली रक्त नलियों में खून ठंडा होने में समय लेगा। हां, माथे तथा सिर पर बर्फ की थैली (आइस कैप) रखना चाहिए क्योंकि खोपड़ी की हड्डियों का तापमान इतनी आसानी से कम न होगा।

खुद न बनें डॉक्टर

एक और आखिरी बात स्वयं इलाज न लें। बुखार एक ऐसी बीमारी है जिसका सबसे ज्यादा सेल्फ ट्रीटमेंट होता है। याद रखें कि हर ठंड के साथ कंपकंपी देने वाला बुखार मलेरिया नहीं होता, न ही वही एंटीबायटिक इस बार भी काम करेगी जो कभी पिछले बुखार में आपको दी गई थी। बुखार हो पर डॉक्टर की बताई दवाएं ही लें और उतने दिनों तक लें जितने दिनों तक बताया जाए।

कोल्ड स्पॉन्जिंग की प्रक्रिया

तेज बुखार हो तो डॉक्टर कहते हैं कि मरीज की कोल्ड स्पोन्जिंग कीजिए। कहते हैं पर बताते नहीं कि कैसे कीजिए? प्राय: वे नर्स को कह देते हैं और नर्स आपसे कह देती है कि ठंडे पानी की पट्टियां रखिए। बस कहां रखिए, कैसे रखिए यह बताने का समय किसी के भी पास नहीं। आप दिन भर लगे रहते हैं और बुखार नहीं उतरता। कारण यह कि कोल्ड स्पोंजिंग के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं। एक तो यह कि इसे बर्फ के पानी से न करें। बर्फीला ठंडा पानी चमड़ी की खून की नलियों को उल्टा सिकोड़ ही देता है जिससे शरीर और ठंडे कपड़े के बीच तापमान का आदान-प्रदान नहीं हो पाता और बुखार उतनी तेजी से नहीं उतर पाता।

पट्टी रखने की प्रक्रिया

नल में आ रहे सामान्य ताप वाले पानी या घड़े में भरे पानी को लें, दूसरी बड़ी बात यह करें कि गीले कपड़े को बढ़िया निचोड़कर और गले पर, कांखों में, पेट पर तथा जांघ के संधि स्थल (हिप ज्वायंट के पास) रखते जाएं और हर बीस-पच्चीस सेकंड में बदलकर नया गीला कपड़ा लगाएं। गर्दन, कांख, जंघा तथा पेट से खून की बहुत बड़ी नलियां एकदम चमड़ी के पास से गुजर रही होती हैं। इनमें बुखार से तपता हुआ गर्म खून बह रहा है जिसे ठंडक मिलेगी तो बुखार फटाफट कम होगा।

कई अन्य कारण

बुखार जैसा लगने के पचासों और भी कारण हो सकते हैं। उनका इलाज भी कुछ अलग ही होगा। आप बुखार कहते हो और लापरवाह चिकित्सक बुखार की कोई दवाई आपको दे देता है। तो पहले यह तय कर लें कि बुखार है भी या नहीं? नापें जब लगे तब नापें आपको यह सलाह नहीं दी जा रही कि जेब में थर्मामीटर लेकर घूमें और जब-तब मुंह में रखते फिरें, पर रिकॉर्ड जरूर करें। बुखार रिकॉर्ड न हो तो डॉक्टर को यही कहें कि मुझे बुखार सा लगता है पर होता नहीं इस तरह की स्थिति एनीमिया, थकान, तनाव से लेकर अन्य बहुत सी गंभीर बीमारियों में भी हो सकती हैं। और नापने में भी याद रखें कि आदमी के नार्मल टेंपरेचर में भी बहुत-से नार्मल उतार-चढ़ाव हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह ही सही

थोड़ा-थोड़ा बुखार हो रहा हो तो कई बार आदमी लंबे समय तक इसकी परवाह ही नहीं करता और बाद में बीमारी बढ़ाकर डॉक्टर के पास पहुंचता है। दूसरा यह कि वे हल्के-हल्के निन्यानवे-सौ वाले, कभी-कभी आने वाले बुखारों की जड़ में बेहद खतरनाक, जानलेवा होने की हद तक खतरनाक कारण भी हो सकते हैं। टीबी, एड्स, कई तरह के कैंसर, आंतों की बीमारियां, यहां-वहां पनपती पस (मवाद) आदि किसी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्राय: यह हल्का बुखार विभिन्न तरह की जांचों में आपके खासे पैसे लगवा सकता है। हो सकता है कि तब भी डॉक्टर किसी ठीक नतीजे पर न पहुंच पाए और आप डॉक्टरों की जमात को ही बेकार कहते फिरें कि यहां-वहां से कट लेने के लिए ऐसा करते रहते हैं।

सिरदर्द को न करें नजरंदाज

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सभी लोगों को सिर-दर्द की परेशानी होती है, मगर ज्यादातर लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते हैं या फिर इसका उचित इलाज नहीं करवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर-दर्द की परेशानी सभी को होती है, यह बहुत आम है और इसका उचित इलाज भी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद पूरी दुनिया में इसकी कम पहचान हो पाती है और इसका इलाज भी बहुत कम होता है। इसके अनुसार, अपने तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय सर्वे में यह बात सामने आई है कि लोग इस बड़ी परेशानी को नजरअंदाज कर देते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया में आधे से ज्यादा वयस्कों ने हाल ही में एक या ज्यादा बार सिरदर्द की परेशानी महसूस की होगी।

काम होते हैं प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सिरदर्द के कारण उद्यम प्रभावित होने से होने वाला वितीय नुकसान बहुत बड़ा है। किशोरों से लेकर 50 साल की उम्र तक के लोगों में सिरदर्द एक आम समस्या है। इससे काम के घंटे प्रभावित होते हैं और उद्यम प्रभावित होता है। अकेले ब्रिटेन में रोज 2.5 करोड़ लोग हर साल सिरदर्द (माइग्रेन) के कारण स्कूल या दफ्तर नहीं जा पाते हैं।

अकेलापन पुरुषों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक अध्ययन से पता चला है कि जो पुरुष अकेले होते हैं, उन्हें दिल का रोग होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए शोधकर्ताओं की सलाह है कि समाज में अन्य लोगों से मेल-जोल दिल के लिए अच्छा है।

अकेलेपन से दिल के रोग का खतरा

अध्ययन से पता चला कि जिन पुरुषों के दोस्त नहीं होते और परिवार से करीबी संबंध नहीं होते, उनके खून में एक विशेष अणु की मात्रा ज्यादा होती है।

ब्रिटेन में दिल के रोग के विशेषज्ञों का कहना है कि जो रोग सामाजिक तौर पर कटे हुए होते हैं, उनकी खेल-कूद में दिलचस्पी कम और सिगरेट पीने की संभावना ज्यादा होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों ही कारण दिल के रोग के खतरे को बढ़ाते हैं।

यह शोध पूरे अमेरिका में 1998 से 2001 के बीच 62 वर्ष की औसत उम्र के 3267 पुरुषों और महिलाओं पर किया गया। जिसमें इनकी शादी, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ-साथ धार्मिक बैठकों इत्यादि में भाग लेने की जानकारी भी ली गई।

शोध में महिलाओं के दिल पर इस तरह का असर नहीं दिखा।

क्या है अस्थि संक्रमण?

ऑस्टियोमाइलाइटिस हड्डी या अस्थि मज्जा का एक संक्रमण है, जो आमतौर पर पायोजेनिक बैक्टीरिया या माइकोबैक्टिरियम के कारण होता है। यह कारणात्मक जीव, इसके मार्ग, अवधि और संक्रमण के शारीरिक स्थान के आधार पर उपवर्गीकृत किया जा सकता है।

लक्षण

- अस्थि दर्द
- अस्थि सूजन
- बुखार
- मांसपेशियों में ऐंठन
- स्थानीय लालिमा
- स्थानीय गर्मी
- दर्द बढ़कर पास के जोड़ तक फैल जाता है।

प्रभावित हड्डी के आधार पर विशिष्ट लक्षण निर्भर करते हैं

- शाखा की हड्डी में दर्द
- टांग की हड्डी में दर्द
- श्रोणि की हड्डी में दर्द

स्पाइनल ऑस्टियोमाइलाइटिस के लक्षण

- हल्का बुखार
- रीढ़ की हड्डी में दर्द
- पीठ के दर्द का बिगड़ना
- पीठ के में दर्द आराम से राहत न होना
- सामान्य दर्द द्वारा पीठ दर्द में राहत न होना।
- पीठ का दर्द संचालन से बद्तर होना

चिरकालीन माइलाइटिस के लक्षण

- आवर्तक माइलाइटिस
- हड्डी का आवर्तक दर्द
- त्वचा से पूर्व का स्राव
- विद्रधि की पुनरावृत्ति
- रक्त के थक्के
- अस्थि ऊतक का परिगलन
- प्रभावित क्षेत्र में मवाद
- अस्थि सूजन

कारण

बच्चों में यह जीवाणु नाक या आंत के माध्यम से रक्त में प्रवेश करता है और हड्डी के भागों में बस जाता है, जो पहले से टूटी होती हैं या हड्डी के कुछ क्षतिग्रस्त हिस्सों में, जहां अच्छी रक्त की आपूर्ति हो। यह जीवाणु संवर्धन करता है और शरीर की प्रतिरक्षा के कारण मवाद बनता है। यह हड्डी को निगल लेता है, विद्रधि का रूप ले लेता है और जो हड्डी के माध्यम से फैलता है और अंतत: सतह तक आ जाता है। एक फ्रेक्चर के बाद, जीवाणु सीधे घाव में प्रवेश करते हैं और नंगे सिरों पर बस जाते हैं। वे फिर द्विगुणित होकर और मवाद बनता है और घाव के माध्यम से जो अंतत: स्राव बन कर निकलता है। कुछ लोगों में यह संक्रमण दूसरे अंग में शुरू हो सकता है, जैसे फेफड़े। यहां से यह रोगाणु रक्त के माध्यम से हड्डी में फैल सकता है। मधुमेह के रोगी को विशेष रूप से संक्रमण होने का खतरा रहता है। यदि एक अल्सर पैर की अंगुली या पैर पर विकसित होता है, यह कीटाणु का जल्दी ही अंतर्निहित हड्डी के माध्यम से घुसना असामान्य नहीं है। इस मामले में यह लक्षण बहुत साधारण सा हो सकता है, केवल कुछ सूजन देखी जा सकती है। कुछ बच्चों में विशेष रूप से नवजात में रक्त परीक्षण या एक अंत: शिरा ड्रिप फीड के बाद बैक्टीरिया खून में प्रवेश कर सकते हैं। अन्य बच्चों में जो रक्त के सिकल सेल जैसे रोग से ग्रसित होते हैं, इस बीमारी के परिणामस्वरूप हड्डी की क्षति होने से और अधिक संक्रमण हो जाता है। मधुमेह के साथ वयस्कों में संक्रमण का प्रतिरोध कमी, अल्प रक्त परिसंचरण और दर्द के अहसास की कमी अक्सर चिरकालीन घातक रोग विशेष रूप ऑस्टियोमाइलाइटिस का कारक होती है।

निदान

रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षा और रक्त परीक्षण ऑस्टियोमाइलाइटिस की पुष्टि करने के लिए मदद मिलती है।

श्वेत रक्त कोशिकाओं की गिनती ल्यूकॉसाइटोसिस दर्शाती है।

एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर या सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन आमतौर पर बढ़ा होता है, लेकिन अवशिष्ट गंभीर मामलों में भी बढ़ा हो सकता है।

घाव के कल्चर से जीवाणु के स्रोत का संकेत मिलता है। रक्त कल्चर से कारणात्मक जीवाणु को पहचानने में मदद हो सकती है।

मेगनेटिक अनुनाद इमेजिंग रीढ़ के संक्रमण का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

उपचार

ऑस्टियोमाइलाइटिस में अक्सर लंबे समय तक, एक सप्ताह या महीने एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता है। एक पीआईसीसी लाइन या सेंट्रल अन्त: शिरा कैथिटर अक्सर इस प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस में सर्जिकल डेब्रीडमेंट (क्षतिग्रस्त मृत या संक्रमित ऊतक के हटाने) की भी जरूरत हो सकती है, ताकि शेष स्वस्थ ऊतक की चिकित्सा की क्षमता में सुधार हो सके। गंभीर मामलों में एक अंग के हानि का कारण बन सकता है। प्रारंभिक पहली पंक्ति एंटीबायोटिक पसंद रोगी के इतिहास और क्षेत्रीय अंतर से सामान्य संक्रामक जीवाणु के आधार पर निर्धारित होता है। रिफ्रेक्टॉरी ऑस्टियोमाइलाइटिस के उपचार के लिए हॉपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी उपयोगी सहायक होती है।

हड्डी के मृत द्वीपों को देखने के लिए कम्युटेड टॉमाग्राफी सबसे अच्छा साधन है। जब तक यह रोग हड्डी को प्रभावित करने तक, आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह सक्रिय रहने तक हड्डी के एक्स-रे में नहीं देखा जा सकता है। स्कैन अस्थि संक्रमण का जल्दी पता लगा सकते हैं। निदान द्वारा पोलियोमाइलिटिस, आमवात का बुखार, मॉयोसाइटिस, और अस्थि भंग का सही निदान हो जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस निदान के लिए हिस्टोपैथॉलॉजी और अन्वीक्षण परीक्षा स्वर्ण मानक है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

यूक्रेन युद्ध के बीच जेलेंस्की ने कहा- 2 लाख बच्चों को जबरन रूस ले जाया गया

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि बलपूर्वक रूस ले जाए गए देश के लोगों में दो लाख बच्चे भी शामिल हैं। इनमें अनाथालय से ले जाए गए, माता पिता के साथ ले जाए गए और अपने परिवारों से अलग हो गए बच्चे शामिल हैं। राष्ट्रपति ने बुधवार की रात को देश के नाम एक वीडियो संदेश में कहा, 'इस अपराधिक नीति का मकसद लोगों की चोरी करना भर नहीं है बल्कि ले जाए लोगों की यूक्रेन की यादों को मिटाना है और उन्हें लौटने के काबिल नहीं छोड़ना है।' उन्होंने कहा कि यूक्रेन दोषियों को दंडित करेगा लेकिन पहले वह रूस को युद्ध के मैदान में दिखा देगा कि 'यूक्रेन को जीता नहीं जा सकता, हमारे लोग आत्मसमर्पण नहीं करेंगे और हमारे बच्चे आक्रमणकारियों की संपत्ति नहीं बनेंगे।' राष्ट्रपति ने कहा कि रूस से कब्जे वाले इलाकों में युद्ध में अब तक 243 बच्चे मारे गए हैं, 446 घायल हुए हैं, और 139 बच्चे लापता हैं। उन्होंने कहा कि यह संख्या अधिक भी हो सकती है क्योंकि रूसी सैनिकों के कब्जे वाले इलाकों की स्पष्ट स्थिति के बारे में उनकी सरकार को जानकारी नहीं है। उन्होंने 11 बच्चों के नामों का जिक्र किए और उनकी मौत के बारे में जानकारी दी।

न्याय से वंचित पाकिस्तानी महिला ने कोर्ट से भारत भेजे जाने की लगाई गुहार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में तीस सालों से लंबी अवधि तक कब्जाई गई उसकी जमीन नहीं मिलने से निराश होकर एक पाकिस्तानी महिला ने उच्च न्यायालय से उसे भारत भेजने की मांग उठाई है। पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब प्रांत के शेखूपुरा जिले की रहने वाली सैयदा शहनाज नामक महिला अपनी पांच मरला जमीन को वापस पाने के लिए दर-दर भटक रही हैं। सैयदा की इस जमीन पर करीब 35 साल पहले कुछ प्रभावशाली लोगों ने कब्जा कर लिया था। पाकिस्तान की न्यायिक प्रणाली से पूरी तरह से निराश हो चुकीं सैयदा शहनाज (45) ने लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) से अधिकारियों को उनके लिए भारतीय वीजा जारी करने का आदेश देने की मांग की। सैयदा का कहना है कि उन्हें नहीं लगता की उनकी जमीन उन्हें कभी वापस मिलेगी। एलएचसी के मुख्य न्यायाधीश अमीर भट्टी इस मामले की सुनवाई कर रहे थे जब याचिकाकर्ता ने यह अजीबोगरीब अनुरोध किया। आपबीती बताते हुए सैयदा शहनाज ने कहा कि यह मामला पिछले 35 वर्षों से चल रहा है। जब यह मुकदमा शुरू हुआ था तब वह सिर्फ नौ साल की थीं। सैयदा ने अदालत को यह भी बताया कि जमीन वापस नहीं मिलने की वजह से वह शेखपुरा में किराए के मकान में रहने को मजबूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ह्यउसे इस बात की कोई उम्मीद नहीं है कि उसे अपनी जमीन कभी भी वापस मिलेगी, इसलिए याचिकाकर्ता ने अदालत से सरकार को उसे भारत भेजने का आदेश देने का अनुरोध किया ह्व याचिकाकर्ता के इस अनुरोध पर न्यायाधीश ने कहा कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

अफ्रीका के विशेषज्ञों ने मंकीपॉक्स से निपटने में टीकों की कमी का उल्लेख किया

ओसन (नाइजीरिया)। यूरोप और अन्य जगहों पर मंकीपॉक्स के प्रसार पर रोक लगाने के लिए टीके और दवाएं दिए जाने के बीच अफ्रीका के कुछ विशेषज्ञों ने कहा है कि इन सबसे संक्रमण की रफ्तार तो घट जाएगी लेकिन टीकों की आपूर्ति में असमानता दूर करने तक इसका खात्मा नहीं होगा। अफ्रीका कई दशकों से मंकीमॉक्स से जूझ रहा है। ब्रिटेन, स्पेन, पुर्तगाल, इटली, स्विट्जरलैंड, अमेरिका, इजराइल और ऑस्ट्रेलिया में मंकीपॉक्स के 500 से ज्यादा मामले आए हैं। इनमें से कई मामलों के यूरोप में आयोजित दो बड़ी पार्टी के दौरान यौन गतिविधियों की वजह से फैलने की आशंका प्रकट की गई है। अब तक संक्रमण से किसी भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है। यूरोप के कुछ देश और अमेरिका एंटीवायरल का इस्तेमाल कर अपने नागरिकों की प्रतिरक्षा मजबूत करने की कोशिश में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स पर अध्ययन और अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए एक विशेष बैठक बुलाई है। अफ्रीकी महाद्वीप ने इस साल लगभग तीन गुना अधिक मामले दर्ज किए हैं। अफ्रीका रोक नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के मुताबिक अफ्रीका के चार देशों- कैमरून, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, कांगो, नाइजीरिया में मंकीपॉक्स के 1400 से अधिक मामले आए हैं और 63 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने कहा कि अनुक्रमण से अफ्रीका के बाहर फैल रही इस बीमारी से इसका कोई जुड़ाव सामने नहीं आया है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मंकीपॉक्स, स्मॉलपॉक्स वायरस वंश जैसा ही है। मंकीपॉक्स के संक्रमण की रोकथाम में स्मॉलपॉक्स के टीके 85 प्रतिशत तक कारगर हैं। ब्रिटेन में इस संक्रमण को रोकने के लिए अब तक 1,000 से ज्यादा लोगों को टीके दिए जा चुके हैं तथा 20,000 खुराकें मंगवाई गई हैं। यूरोपीय संघ के अधिकारी भी टीके खरीदने के लिए वार्ता कर रहे हैं। अमेरिका के उन राज्यों के लिए 700 खुराकें भेजी गई हैं जहां मंकीपॉक्स के मामले आए हैं।

श्रीलंका को चालू खेती के मौसम के लिए उर्वरक की मदद करेगा भारत

कोलंबो। श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण गंभीर खाद्य संकट को देखकर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को चालू खेती के मौसम के लिए उर्वरक का आश्वासन दिया है। राजपक्षे ने घोषणा की है कि उर्वरक की आपूर्ति भारतीय ऋण सहायता से की जाएगी और यहां प्राप्त होने के बाद 20 दिनों के भीतर इसकी आपूर्ति करने की योजना बनाई है। उन्होंने देश में सिंचाई और कृषि क्षेत्र में मौजूदा संकट पर चर्चा में यह घोषणा की। मई और अगस्त से शुरू होने वाले श्रीलंका में दो खेती के मौसमों में से एक, याला सीजन के लिए उर्वरक वितरित किए जाने की उम्मीद है। देश में महासीजन के दौरान उपज में लगभग 30 से 40 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो मार्च और अप्रैल में समाप्त हुई। कृषि विशेषज्ञों और किसानों ने श्रीलंका सरकार के 27 अप्रैल 2021 को रातों-रात के फैसले को रासायनिक उर्वरक पर प्रतिबंध लगाने के लिए प्रमुख खेती में गिरावट का कारण बताया है। अप्रैल 2021 में राष्ट्रपति राजपक्षे ने स्वीकार किया कि रासायनिक उर्वरक पर प्रतिबंध एक गलती थी और निर्णय को उलट दिया, फिर भी मौजूदा आर्थिक संकट के साथ डॉलर की कमी रासायनिक उर्वरक आयात करने के लिए एक बड़ी बाधा बन गई है। मई 2022 की शुरूआत में भारत में श्रीलंका के उच्चायुक्त के साथ चर्चा के बाद मिलिंडा मोरगोडा, भारत ने आवश्यक उर्वरक की आपूर्ति का आश्वासन दिया था। भारत में श्रीलंकाई उच्चायोग ने घोषणा की थी कि भारत के उर्वरक विभाग के सचिव राजेश कुमार चतुर्वेदी के साथ बातचीत के बाद, भारत याला सीजन के लिए आवश्यक 65,000 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति करने के लिए सहमत हो गया है। भारत ने अपने दक्षिणी पड़ोसी को भोजन, ईंधन, दवा और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं को उपलब्ध कराने के लिए लगभग 3 बिलियन डॉलर की सहायता की है।

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार दो मुस्लिम बने मंत्री

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की नई सरकार के कैबिनेट मंत्रियों के नामों का ऐलान किया गया। कैबिनेट में रिकॉर्ड संख्या में महिलाओं को शामिल किया गया है। 23 सदस्यीय कैबिनेट में कुल 10 महिलाओं को मंत्री बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के कैबिनेट में मुस्लिमों को पहली बार जगह देते हुए ऐनी एली और एड ह्यूसिक को मंत्रीपद दिया गया है। कैबिनेट में दो मुस्लिमों की नियुक्ति को ऑस्ट्रेलिया में प्रतीकात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एड ह्यूसिक और ऐनी एली कैबिनेट में अपनी नियुक्ति को ऐतिहासिक बता रहे हैं।

पोलैंड की प्रधानमंत्री मेटूसू मोरावस्की यूक्रेनी शरणार्थियों के लिए बने अस्थायी आवासों को उन्हें सौंपे जाने के अवसर पर उपस्थित रहीं।

चीन में उठे बगावत के सुर, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच खटपट

बीजिंग। चीन इन दिनों कोरोना के रफ्तार और इससे प्रभावित होते अर्थव्यवस्था की दोहरी मार झेल रहा है। जिनपिंग सरकार की तरफ से जीरो कोविड पॉलिसी का सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है। लेकिन तमाम कवायदों के बावजूद कोरोना का कहर देश में थमने का नाम नहीं ले रहा है। बल्कि उल्टा जीरो कोविड पॉलिसी की सख्ती ने लोगों की मुसीबत बढ़ाने का काम किया है। चीन के लगातार बिगड़ते हालात ने वहां की राजनीति को भी प्रभावित किया है। जिनपिंग सरकार के खिलाफ लोग आवाज उठाने लगे हैं। वहीं लोगों के अलावा सत्ता में मौजूद दूसरे नेता भी उनका विरोध करने लगे हैं। हाल ही में चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग ने जिनपिंग के कुछ फैसलों पर जिस तरह सवाल उठाए हैं, उससे लग रहा है कि वहां बगावत के मूड में हैं। पिछले हफ्ते चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग ने कथित तौर पर 100000 सरकारी अधिकारियों से हालत को स्थिर बनाने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। ली ने कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था 2020 में महामारी की शुरूआत से भी ज्यादा बड़ी चुनौती का सामना कर रही है। जब रोजगार, उत्पादन और खपत सब कुछ ठप्प हो गया था। चीन के प्रधानमंत्री की तरफ से की गई अपील असाधारण थी जिन्हें उनके दो कार्यकाल के ज्यादातर समय दरकिनार किया जाता रहा है। चीन में दूसरे सबसे शक्तिशाली पद पर होने के बावजूद उन्हें ज्यादातर दरकिनार किया जाता रहा है। कभी चीन के पूर्व राष्ट्रपति हू जिंताओं के गुट से संभावित राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में देखे जाने वाले ली केकियांग को करीब एक दशक पहले प्रधानमंत्री बनने के बाद से दरकिनार किया जाता रहा है।

छह मीटर ऊंचा केक, भारतीय मूल के अभिनेता की प्रस्तुति

महारानी के 'राज' की 70वीं सालगिरह पर चल रहा 4 दिनों का प्लैटिनम जुबली उत्सव

ब्रिटेन (एजेंसी)

दुनिया का एक ऐसा शख्स जो जब आखिरी सांस लेगा तो कई देशों की करंसी ही बदल जाएगी। उसकी मौत सदी की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक होगी। हम बात कर रहे हैं ब्रिटेन के रायल फैमली की। आज की तारीख ब्रिटेन के इतिहास में खासा महत्व रखती है। 2 जून को पिछले सात दशकों से ब्रिटेन के राज सिंहासन पर काबिज महारानी एलिजाबेथ द्वतीय का राज्याभिषेक किया गया। जिसके बाद वो वह ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड सहित कॉमनवेल्थ देशों की रानी बनीं।

ब्रिटेन का इतिहास

सबसे पहले जानते हैं कि ब्रिटेन क्या है? ग्रेट ब्रिटेन उत्तर पश्चिमी फ्रांस और पूर्वी आयरलैंड में द्वीप का नाम है। ये यूरोपीय महाद्वीप का एक हिस्सा है, जो इसके उत्तर पश्चिमी तट पर बसा है। ग्रेट ब्रिटेन दुनिया 9वां सबसे बड़ा द्वीप है। इसका क्षेत्रफल 209, 331 वर्ग किलोमीटर है। इस ट्वीप के स्कॉटलैंड, इंग्लैंड तथा वेल्स एक हिस्से हैं। इस द्वीप के संयुक्त हिस्से को यूनाइटेड किंगडम भी कहते हैं। वर्तमान में इस देश की हेड ऑफ स्टेट क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय हैं। छह फरवरी, 1952 को उनके पिता जॉर्ज षष्ठम की मृत्यु के बाद एलिजाबेथ के रानी बनने की घोषणा की गई थी।

ब्रिटेन का प्लैटिमन जुबली उत्सव

ब्रिटेन के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले महारानी क्वीन एलिजाबेथ की 70वीं वर्षगांठ पर चार दिनों का प्लैटिनम जुबली उत्सव चल रहा है, जिसकी शुरूआत आज से हो गई है। इस दौरान सार्वजनिक अवकाश है। इन चार दिनों के दौरान बकिंघम पैलेस में विभिन्न सार्वजनिक और निजी कार्यक्रमों की मेजबानी होगी, जिसमें शाही परिवार शामिल होगा। बंदूक की सलामी और शाही परिवार की उपस्थिति के साथ 240 घोड़े से लैस एक सैन्य परेड के साथ चार दिनों तक चलने वाले रॉयल उत्सव की शुरूआत हो गई। यूं तो ब्रिटेन की महारानी कीन एलिजाबेथ द्वितीय का वास्तविक जन्मदिन 21 अप्रैल को मनाया जाता है, लेकिन ब्रिटेन में ताजपोशी के बाद राजगद्दी संभालने राजा या रानी के लिए दूसरे जन्मदिन का खास महत्व होता है। यह दूसरा जन्मदिन ही उनका आधिकारिक जन्मदिन होता है। दूसरे जन्मदिन के लिए एक खास दिन तय किया गया है जब कई बड़े सेलिब्रेशन के साथ साताना परेड आयोजित की जाती है। ब्रिटेन में राजगद्दी संभालने वाले राजा या रानी जून के महीने में जन्मदिन मनाते हैं क्योंकि वहां के हिसाब से इसे अच्छा मौसम माना जाता है।

ओबामा का वीडियो संदेश

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक असामान्य रूप से प्रभावशाली वीडियो संदेश में रानी को ट्रिब्यूट देते हुए कहा कि हमने अपना 'विशेष संबंध' स्थापित किया है। बता दें कि ओबामा साल 2011 में बकिंघम पैलेस में रानी से मिलने गए थे। उन्होंने कहा कि आपका जीवन न केवल यूनाइटेड किंगडम के लिए बल्कि दुनिया के लिए एक उपहार सरीखा है।

छह मीटर ऊंचा केक

भारतीय मूल के ब्रितानी अभिनेता अजय छाबड़ा लंदन में बकिंघम पैलेस के बाहर ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-द्वितीय की ताजपोशी की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए बॉलीवुड शैली की 'वेडिंग पार्टी' (विवाह समारोह) को प्रस्तुत करेंगे, जिसमें विशेष रूप से डिजाइन की गई साड़ी और छह मीटर ऊंचा केक चार-चांद लगाएंगे। छाबड़ा और उनकी 'नटखट' प्रस्तुति मंडली को रविवार को 'प्लेटिनम जुबली पैजंट' के लिए दक्षिण एशियाई नजरिये से राष्ट्रमंडल की विषय-वस्तु पर आधारित प्रस्तुति के लिए चुना गया है।

'आजादी मार्च' मामला : इमरान खान को 25 जून तक के लिए मिली अग्रिम जमानत

पेशावर। (एजेंसी)

पाकिस्तान की अदालत ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को आगजनी और तोड़फोड़ को लेकर दर्ज 14 मामलों में तीन हफ्ते की अग्रिम जमानत दे दी। मीडिया में प्रकाशित खबरों में यह जानकारी दी गई। मीडिया के मुताबिक ये मामले हाल में खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए- इंसाफ (पीटीआई) की ओर से आयोजित आजादी मार्च के दौरान समर्थकों द्वारा की गई कथित तोड़-फोड़ और आगजनी के संबंध में दर्ज किए गए थे। जियो न्यूज ने बताया कि पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) ने 69 वर्षीय खान को50 हजार रुपये के मुचलके पर यह जमानत दी। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री खान ने अपनी संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत का रुख किया था। खान की याचिका पर पीएचसी के मुख्य न्यायाधीश कैसर रशीद ने सुनवाई की। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री व्यक्तिगत रूप से अदालत में मौजूद रहे। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक याचिका में खान के वकील बाबर अवान ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ 14 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और उनपर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है। इस्लामाबाद पुलिस ने 27 मई को पीटीआई के अध्यक्ष खान और पार्टी नेता असद उमर, असद कैसर सहित करीब 150 लोगों के खिलाफ 25 मई को मार्च के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में आगजनी और तोड़फोड के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की। डान न्यूज के मुताबिक न्यायाधीश ने पीटीआई नेता को 25 जून तक अग्रिम जमानत देने के साथ ही मामले को इस्लामाबाद के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के पास भेज दिया। पीएचसी ने खान को 25 जून से पहले इस्लामाबाद के सत्र न्यायालय में पेश होने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि इमरान खान को इस साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये प्रधानमंत्री पद से पदच्युत कर दिया गया था।

भारतीय परियोजनाएं सिंधु जल संधि के प्रावधानों के अनुरूप : पीआईसी बैठक में भारत ने पाक से कहा

नयी दिल्ली (एजेंसी)

भारत ने स्पष्ट किया है कि उनकी परियोजनाएं पूरी तरह से सिंधु जल संधि के प्रावधानों के अनुरूप हैं और वह स्थायी सिंधु आयोग (पीआईसी) की बैठक के दौरान पाकिस्तान द्वारा दिये गए सुझावों और मुद्दों के द्विपक्षीय समाधान के लिये प्रतिबद्ध है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारत और पाकिस्तान ने 30-31 मई के बीच चल रही स्थायी सिंधु आयोग की 118वीं बैठक में सिंधु आयोग की रूपरेखा के तहत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार, भारत ने यह भी कहा कि वह जलाशयों से ज्यादा पानी निकलने और बाढ़ के प्रवाह संबंधी जानकारी पहले ही प्रदान कर रहा है। इससे पहले पाकिस्तान ने भारत से बाढ़ के बारे में पूर्व सूचना देने का अनुरोध किया था। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान कोई तकनीकी चर्चा नहीं हुई। सूत्रों ने बताया कि भारत ने आश्वासन दिया कि संधि के अनुसार सभी चीजें जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी नदियों पर भारत की पनबिजली परियोजनाओं के डिजाइन पर पाकिस्तान की आपत्तियों के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। सूत्रों ने बताया कि भारत ने आश्वासन दिया कि भारतीय परियोजनाएं पूरी तरह से संधि के प्रावधानों के अनुरूप हैं और वह मुद्दों का समाधन द्विपक्षीय तरीके से निकालने को प्रतिबद्ध है। पिछली बैठक (117वी बैठक) में पाकिस्तान द्वारा दिये गए सुझावों पर विचार किया जायेगा और अगली बैठक में इस पर चर्चा की जायेगी। दोनों पक्षों ने यह फैसला किया कि सिंधु बेसिन के दोनों ओर आयोग का दौरा बाढ़ के मौसम के समाप्त होने पर आपसी सुविधा के आधार पर तय तिथि को होगा।

तालिबान के सत्ता में काबिज होने के बाद पहली बार काबुल पहुंचे भारतीय अधिकारी, मानवीय सहायता अभियान का लेंगे जायजा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

अफगानिस्तान में मानवीय सहायता अभियान एवं आपूर्ति का जायजा लेने के लिए भारत से विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ राजनयिक की अगुवाई में एक दल काबुल गया है जो वहां सत्तारूढ़ तालिबान के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात कर भारत की ओर से भेजी गयी सहायता के बारे में चर्चा करेगा। विदेश मंत्रालय से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद भारत से उस देश में यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा है। इस दल का नेतृत्व पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान (पीएआई) के लिये वरिष्ठ राजनयिक जे पी सिंह कर रहे हैं। यह दल तालिबान के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात करेगा। बयान के अनुसार, 'विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पीएआई) के नेतृत्व में अधिकारियों का एक दल अभी काबुल में है, जो अफगानिस्तान में हमारे मानवीय सहायता आपूर्ति अभियान का जायजा लेगा।' इसमें कहा गया है कि यह दल मानवीय सहायता में शामिल विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगा और संभवतः उन स्थानों पर भी जाएगा जहां भारतीय कार्यक्रम अथवा परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। मंत्रालय ने बताया कि अफगानिस्तान के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारत अब तक 20 हजार मीट्रिक टन गेहूं, 13 टन दवा, कोविड रोधी टीके की पांच लाख खुराक, गर्म कपड़े आदि वहां भेज चुका है। यह सामग्री काबुल में इंदिरा गांधी बाल अस्पताल, डब्ल्यूएचओ, डब्ल्यूईपी जैसी संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों को सौंपी गई हैं। मंत्रालय ने कहा, 'हमने अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमारी विकास साझेदारी को जारी रखते हुए भारत में निर्मित कोवैक्सीन की 10 लाख खुराक ईरान को दी ताकि ईरान में रहने वाले अफगानिस्तान के शरणार्थियों को खुराकें दी जा सकें।' इसमें कहा गया है, 'यूनीसेफ को अफगान लोगों के लिए पोलियो के टीके की छह करोड़ खुराक और दो टन आवश्यक दवाओं की आपूर्ति की गई है।' बयान के अनुसार, भारत से अफगानिस्तान को और चिकित्सा सहायता और खाद्यान्न की खेप भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की ओर से की जा रही सहायता की अफगानिस्तान में व्यापक सराहना हो रही है। इसमें कहा गया है कि भारत के अफगानिस्तान के साथ ऐतिहासिक एवं सभ्यता से जुड़े संबंध हैं और ये हमारे रूख का मार्गदर्शन करेंगे। गौरतलब है कि भारत, अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त करता रहा है। भारत ने नवंबर में अफगानिस्तान के मुद्दे पर एक क्षेत्रीय वार्ता की मेजबानी की थी जिसमें रूस, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिजस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने हिस्सा लिया था। इस वार्ता में हिस्सा लेने वाले देशों ने यह सुनिश्चित करने के लिये काम करने का संकल्प लिया था कि अफगानिस्तान वैश्विक अतंकवाद की पनाहगाह नहीं बने। इन देशों ने अफगानिस्तान में 'खुली एवं सच्चे अर्थो में समावेशी' सरकार के गठन का आह्वान किया था जिसमें अफगानिस्तान के सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व हो। दिल्ली में अफगानिस्तान के विषय पर हुई क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता के अंत में जारी एक घोषणापत्र में कहा गया था कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी तरह की आतंकी गतिविधियों के वित्त पोषण, पनाह, प्रशिक्षण या योजना बनाने के लिये नहीं किया जाना चाहिए। भारत, अफगानिस्तान में निर्बाध रूप से मानवीय सहायता प्रदान करने की वकालत करता रहा है ताकि उस देश में मानवीय संकट को दूर किया जा सके।

क्या यूक्रेन से लोगों का पलायन द्वितीय विश्व युद्ध के शरणार्थी प्रवाह को पार कर जाएगा?

टोरंटो। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) ने हाल में जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया था कि दुनियाभर में संघर्षों, हिंसा, मानवाधिकारों के हनन और जुल्म की वजह से 10 करोड़ से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। शरणार्थियों की चौका देने वाली यह संख्या यूक्रेन, अफगानिस्तान, सीरिया, दक्षिण सूडान, म्यांमा और सोमालिया में जंग की वजह से है। फरवरी में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से पूर्वी यूरोपीय देश से बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन हुआ है। यूक्रेन से 66 लाख से ज्यादा लोग भाग चुके हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। 18-64 साल की उम्र के लोगों का देश में ही रहना जरूरी है ताकि वे रक्ष बलों की मदद कर सकें। इसलिए शरणार्थियों में अधिकतर संख्या महिलाओं और बच्चों की ही है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप का सबसे बड़ा और तेजी से होने वाला पलायन है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1945 तक करीब 1.1 करोड़ लोग अपने ही देशों में विस्थापित हुए थे। युद्ध के बाद का यूरोपीय इतिहास भी सोवियत संघ और पश्चिम के बीच संघर्ष के कारण होने वाले पलायन से अटा पड़ा है। शीत युद्ध शरणार्थियों की आमद आंदोलन के पैमाने के कारण इन संघर्षों से उत्पन्न शरणार्थियों की कुल संख्या की पहचान करना मुश्किल है। हम जानते हैं कि शीत युद्ध ने द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद के वर्षों में कम्युनिस्ट यूरोप से लाखों शरणार्थियों को जन्म दिया। इसमें अनुमानित 35 लाख वे लोग भी शामल हैं जो बर्लिन की दीवार बनने से पहले पूर्वी जर्मनी भागे थे। 1956 की हंगरी की क्रांति के कारण अनुमानित तौर पर दो लाख लोग शरणार्थी बन गए थे। 1968 में प्राग स्प्रींग के कारण करीब 80,000 लोग शरणार्थी बने। यह चेकोस्लोवाक सोशलिस्ट रिपब्लिक (अब चेक गणराज्य और स्लोवाकिया) के लोगों का बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करके राजनीतिक उदारीकरण स्थापित करने की कोशिश थी। इसे सोवियत संघ ने कुचल दिया था।

पूर्ववर्ती यूगोस्लाविया के विघटन से जुड़े युद्धों के कारण 1991 से 2001 के बीच 24 लाख से ज्यादा लोगों को शरणार्थी बनना पड़ा। यह देश बाद में टूटा और इसके टुकड़े होकर क्रोएशिया, सर्बिया, स्लोवेनिया, कोसोवो और बोस्निया देश बने। यूक्रेन के अधिकतर लोग पौलेंड में गए हैं, लेकिन हंगरी, रोमानिया, स्लोवाकिया और माल्डोवा तक में शरणार्थी पहुंचे हैं। यूक्रेन के कुछ लोग कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे अन्य मुल्कों में भी गए हैं। यूक्रेनियन विस्थापित हैं या फंसे हुए हैं यूएनएचसीआर ने अनुमान जताया है कि यूक्रेन में 70 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं, खासकर वे लोग जो पूर्वी यूक्रेन में भीषण लड़ाई से बचकर पश्चिमी शहर ल्वीव गए हैं और राजधानी कीव की घेराबंदी के दौरान बच कर भागे हैं।

शरणार्थी हुए और देश में ही विस्थापित हुए लोगों की संख्या यूक्रेन की आबादी का एक चौथाई है। अपने तबाह हुए घरों और समुदायों में अब भी बहुत से लोग फंसे हुए हैं। इसका मतलब है कि वे बिना घर-बार छोड़े ही विस्थापित हो गए हैं। हालांकि इस तरह की खबरें हैं कि लोग यूक्रेन के कुछ इलाकों में लौट रहे हैं, क्योंकि रूसी बलों ने उन इलाकों को छोड़ दिया है। यूक्रेन की 4.4 करोड़ की आबादी को देखते हुए, इस बात की आशंका है मौजादू संघर्ष के कारण शरणार्थियों की संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुए पलायन को पार कर जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली की सड़कों और कालोनियों के नाम से 'हरिजन' शब्द हटाकर 'डॉ आंबेडकर' लिखा जाएगा: मंत्री

नयी दिल्ली। दिल्ली के सामाजिक कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों और कालोनियों के नाम से 'हरिजन' शब्द हटाकर उसके स्थान पर 'डॉ आंबेडकर' लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शीघ्र ही एक अधिसूचना जारी की जाएगी। गौतम ने कहा कि 'हरिजन' शब्द के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने वाला दिल्ली देश का पहला राज्य होगा। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों का कहना है कि यह शब्द 'घृणास्पद और अपमानजनक' है। उन्होंने कहा कि एक संसदीय समिति ने सुझाव दिया था कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय सभी विभागों और राज्य सरकारों को 'हरिजन' शब्द इस्तेमाल नहीं करने की सलाह देते हुए ताजा दिशानिर्देश जारी करे। मंत्रालय ने अप्रैल 2018 में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर कहा था कि अनुसूचित जाति के लोगों को संबोधित करते समय 'दलित' और 'हरिजन' शब्द के इस्तेमाल से बचा जाए। मंत्रालय ने 'अनुसूचित जाति' शब्द और क्षेत्रीय भाषाओं में इसके अनुवाद का प्रयोग करने को कहा था। गौतम ने कहा, 'हम 2019 से इस दिशा में काम कर रहे हैं। दिल्ली एससी/एसटी/ओबीसी कल्याण विभाग ने शहरी विकास विभाग को पत्र लिखकर इस पर जोर दिया था कि यह एक अपमानजनक शब्द है और अनुसूचित जाति के लोग इसे पसंद नहीं करते।' उन्होंने कहा, 'हमारा प्रस्ताव है कि राष्ट्रीय राजधानी में सड़कों और कॉलोनियों के नाम में 'हरिजन' शब्द हटाकर उसके स्थान पर 'डॉ आंबेडकर' लिखा जाए। कोविड-19 महामारी के कारण यह प्रक्रिया लंबित हो गई थी।' मंत्री ने कहा कि उन्होंने कानून विभाग के अधिकारियों को 10 दिन के भीतर प्रक्रिया पूरी करने को कहा है, जिसके बाद एक अधिसूचना जारी की जाएगी। दिल्ली में विकासपुरी, पालम और कोंडली समेत कई हरिजन बस्तियां हैं और कालकाजी इलाके में हरिजन कॉलोनी नामक एक सड़क है।

कोरोना टीकाकरण को लेकर मोदी सरकार ने शुरू किया 'हर घर दस्तक 2.0' अभियान

नई दिल्ली । कोरोना के मोर्चे पर देश में फिलहाल बड़ी राहत है। कोरोना का प्रसार नियंत्रण में है, मौतें कम हो रही हैं, जिंदगी धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। स्थिति में तेजी से सुधार हो और महामारी दोबारा लौट के न आए, यह ध्यान में रखते हुए सरकार ने टीकाकरण को गति देने के लिए बुधवार से विशेष अभियान शुरू किया। 'हर घर दस्तक 2.0' अभियान के दूसरे चरण में वृद्ध आश्रमों, स्कूलों, कालेजों और जेलों में टीकाकरण पर खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले साल नवंबर में शुरू हुए विशेष टीकाकरण अभियान के पहले चरण के अनुभवों को एक जून से 31 जुलाई के बीच चलने वाले दूसरे चरण में लागू किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस मिशन मोड में लेने की सलाह दी गई है। साथ ही कोरोना के खिलाफ सभी पात्र लोगों को टीके का सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए सघन अभियान चलाने को कहा गया है। 'हर घर दस्तक 2.0 अभियान का मुख्य मकसद घर-घर जाकर सभी पात्र लोगों को पहली, दूसरी और सतर्कता डोज लगाना है। इसमें 12-14 वर्ष आयु वर्ग के टीकाकरण को गति देने और 60 साल से अधिकउम्र के लोगों को सतर्कता डोज लगाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, वृद्ध आश्रमों, स्कूलों, कालेजों, जेलों, ईंट भट्ठों जैसी जगहों पर खासतौर पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कोशिश यह भी है कि 12-18 वर्ष आयुवर्ग का कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहने पाए, भले ही वह स्कूल जाता हो या नहीं।

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई ने बैंककर्मी की हत्या की निंदा की और कहा, घाटी में हालात गंभीर

जम्मू। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई ने बृहस्पतिवार को घाटी में राजस्थान के एक बैंक कर्मचारी की आतंकवादियों द्वारा हत्या किए जाने की निंदा की और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में कथित विफलता के लिए केंद्र की आलोचना की। आतंकवादियों ने कश्मीर के कुलगाम जिले में राजस्थान के विजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। एक मई से घाटी में यह आठवीं लक्षित हत्या है। विजय कुमार तीसरे गैर-मुस्लिम सरकारी कर्मचारी हैं, जिनकी आतंकवादियों ने हत्या की है। अधिकारियों ने बताया कि कुमार, दक्षिण कश्मीर जिले में इलाकाई देहाती बैंक की अरेह मोहनपोरा शाखा में प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। वह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता रवीन्द्र शर्मा ने कहा, 'पार्टी विजय कुमार की हत्या पर गहरा दुख और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।' उन्होंने कहा, 'यह घटना कश्मीर में निर्दोष लोगों की जान बचाने के लिए तत्काल और प्रभावी उपायों की मांग करती है।' कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को 'बेहद गंभीर' बताते हुए, उन्होंने कहा कि देश कब तक घाटी में निर्दोष लोगों की, विशेष रूप से अल्पसंख्यकों की लक्षित हत्या को बर्दाश्त करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन कश्मीर में हालात सामान्य होने के दावे करता है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'केंद्र सरकार कश्मीर में आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही है, जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम निर्दोष लोगों की हत्याओं को रोकने के लिए एक तत्काल और प्रभावी रणनीति की मांग करते हैं।

योगी आदित्यनाथ का ऐलान, उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री होगी फिल्म सम्राट पृथ्वीराज

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में फिल्म सम्राट पृथ्वीराज को लेकर बड़ा ऐलान किया है। योगी आदित्यनाथ ने फिल्म को उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री करने की घोषणा की है। आपको बता दें कि फिल्म में मुख्य अभिनेता अक्षय कुमार हैं। आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई थी। सीएम योगी ने फिल्म देखने के बाद ये ऐलान किया है। इस दौरान अक्षय कुमार भी मौजूद रहे। योगी ने कहा कि ये फिल्म न केवल मनोरंजन बल्कि, जागरूकता, राष्ट्र प्रेरणा और समाज को एक नई दिशा देने का भी माध्यम बन सकती है। यह अक्षय कुमार और उनकी टीम ने समय- समय पर किया है। फिल्म में उत्तर-प्रदेश के कई स्थल हैं। इस अवसर पर मैं फिल्म की पूरी टीम का अभिनंदन करता हूं। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने फिल्म कीविशेष स्क्रीनिंग देखी थी। शाह ने अपने परिवार के सदस्यों, कई केंद्रीय मंत्रियों, केंद्रीय गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों और अन्य मेहमानों के साथ मध्य दिल्ली के एक सिनेमा हॉल में 12वीं सदी के राजा पृथ्वीराज चौहान की वीरता को दर्शाने वाली फिल्म देखी। यह फिल्म महान सम्राट एवं योद्धा पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित है। इस दौरना केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर और अश्विनी वैष्णव सहित गणमान्य भी मौजूद रहे। सम्राट पृथ्वीराज में संजय दत्त, सोनू सूद ने भी अभिनय किया है। साथ ही ह्यमिस वर्ल्ड 2017ह्ल मानुषी छिल्लर ने भी इसके जरिये फिल्मी दुनिया में कदम रखा है। फिल्म के बाद दर्शकों से बात करते हुए शाह ने कहा कि भारत सदियों से बाहरी आक्रमण के खिलाफ लड़ रहा है। शाह ने कहा कि पृथ्वीराज ने देश की संप्रभुता और भारत की संस्कृति की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी।

पूर्वोत्तर भारत में मानसून ने दी दस्तक, असम-मेघालय में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)

नयी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून बंगाल की खाड़ी के रास्ते पूर्वोत्तर भारत में दाखिल हो गया है और आगामी दो दिनों में असम व मेघालय में भारी बारिश की संभावना है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया,ह्यह्यदक्षिण पश्चिम मानसून उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, बंगाल की खाड़ी के उत्तरपूर्व और पूर्व मध्य हिस्सों के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा है साथ ही यह मिजोरम, मणिपुर और नगालैंड के अधिकतर हिस्सों तक पहुंच चुका है।ह्ल वहीं, बुधवार को मानसून कर्नाटक के बेंगलुरु, चिकमंगलुरु और करवार तक पहुंच चुका था।

भारत के दक्षिणी प्रायद्वीप की ओर अरब सागर से आ रहे मानसूनी हवाओं के मद्देनजर मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक कर्नाटक के तटीय और दक्षिणी अंदरुनी इलाकों, केरल, माहे और लक्षद्वीप में बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले अगले पांच दिनों तक आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तरी अंदरुनी कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के छिटपुट इलाकों में बारिश हो सकती है।

वहीं, पश्चिमोत्तर भारत में अधिकतम तापमान में वृद्धि हो रही है और मौसम कार्यालय ने अगले दो दिन के लिए राजस्थान, दक्षिण पंजाब और दक्षिण हरियाणा में लू चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम कार्यालय ने सोमवार को बताया कि इस साल मानसून सामान्य रहने की उम्मीद है। आईएमडी के मुताबिक पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पश्चिमी प्रायद्वीप के सबसे निचले इलाके को छोड़कर इसबार मानसूनी बारिश का वितरण पूरे देश में समान रहेगा। गौरतलब है कि मौसम विभाग ने 29 मई को ही केरल में मानसून आने की घोषणा कर दी जबकि सामान्य तौर पर एक जून को मानसून केरल पहुंचता है।

राज्यों को आर्थिक रूप से कमजोर करने की साजिश कर रहा है केन्द्र : केसीआर

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केन्द्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार राज्यों को आर्थिक रूप से कमजोर बनाने की साजिश कर रही है और तेलंगाना के साथ भेदभाव कर रही है। तेलंगाना के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में राव ने देश में हो रही घृणा की राजनीति को लेकर भी केन्द्र एवं अन्य पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि अभी तक केन्द्र की सत्ता में बैठने वाली सरकारों ने सिर्फ संविधान की आत्मा और राज्यों की स्वायतता को मारने का काम किया है।

उन्होंने कहा, 'फिलहाल केन्द्र में मौजूद सरकार 'मजबूत केन्द्र- कमजोर राज्य' के तुच्छ सिद्धांत पर आधारित है। इसलिए इस सकार के शासनकाल में राज्यों के अधिकारों का उल्लंघन ज्यादा हो रहा है।' केन्द्र पर राज्यों को आर्थिक रूप से कमजोर करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री राव ने कहा कि केन्द्र करों को उपकर में बदल रहा है, ताकि वह केन्द्र द्वारा लगाए गए करों में राज्यों को हिस्सा देने की संवैधानिक बाध्यता से बच सके। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे सभी वाकिफ हैं कि केन्द्र सरकार राज्यों के हिस्से के लाखों-करोड़ों रुपये अपने पास रख रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार मनमाने तरीके से तमाम पाबंदियां लगा रही है और राज्यों की आर्थिक आजादी को बाधित कर रही है। राव ने कहा कि हालांकि, केन्द्र इस बात पर जोर दे रहा है कि राज्य एफआरबीएफ के प्रावधानों का पालन करें, लेकिन वह खुद ऐसा नहीं कर रहा है।

भारत-इजरायल राजनयिक रक्षा संबंधों के 30 साल, दोनों देशों ने समझौता ज्ञापनों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत और इजरायल के बीच आज द्विपक्षीय बैठक हुई। इस क्रम में दोनों देशों के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और इजरायल के बेनी गैंट्ज ने मुलाकात की और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किए। 30 साल के राजनयित संबंधों को चिन्हित करते हुए भारत और इजराइल ने एक ₹विजन स्टेटमेंट₹ अपनाया जो भविष्य में रक्षा सहयोग को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग और मौजूदा वैश्विक और क्षेत्रीय परिदृश्य पर चर्चा की। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीटर पर लिखा कि खुशी है कि दोनों देशों ने एक 'विजन स्टेटमेंट' अपनाया जो भविष्य में रक्षा सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा। द्विपक्षीय रणनीतिक और रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर दोनों देशों के बीच व्यापक सहमति है। हम इसराइल के साथ अपनी सामरिक साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं।

बता दें कि गुरुवार को भारत पहुंचे गैंट्ज ने राजनाथ सिंह की उपस्थिति में त्रि-सेवा गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया और नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण किया। बेनी गैंट्ज ने ट्वीट करते हुए कहा कि मैं राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद हुए सैनिकों को सम्मानित करने और इस राष्ट्र की विरासत के बारे में जानते हुए अपनी यात्रा शुरू करने को लेकर प्रफुल्लित हूं। यह एक प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि है क्योंकि हम अपने देशों के बीच 30 साल के समृद्ध संबंधों और रक्षा संबंधों को चिह्नित करने के लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल के निवासियों को उनके स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं दी थीं और उम्मीद जाहिर की थी कि दोनों देश आने वाले वर्षों में संबंधों को और मजबूत करेंगे। उन्होंने इजरायल के स्वतंत्रता दिवस को 74वीं वर्षगांठ पर अपने ट्विटर हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में यह टिप्पणी की।

कश्मीर में टारगेट किलिंग पर ओवैसी का बयान, जो गलती 1989 में हुई थी, वही मोदी सरकार दोहरा रही

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

हाल के दिनों में जम्मू कश्मीर में टारगेट किलिंग के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। आतंकियों ने कई आम लोगों को अपना निशाना बनाया है। इन सब के बीच अब विपक्ष मोदी सरकार पर कश्मीर में बढ़ते टारगेट किलिंग के मामले को लेकर हमलावर हो गया है। दरअसल, आज ही जम्मू कश्मीर के कुलगाम में एक बैंक मैनेजर की हत्या कर दी गई है। बैंक मैनेजर राजस्थान का रहने वाला था। अब इसी को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। ओवैसी ने कहा कि मोदी सरकार इतिहास से सीख नहीं ले रही है जो गलती 1989 में हुई थी वहीं गलती नरेंद्र मोदी की सरकार वापस से कर रही है। 1989 में भी राजनीतिक आउटलेट बंद कर दिया गया था और घाटी (कश्मीर) के राजनेताओं को बोलने की अनुमति नहीं थी।

न्यूज एजेंसीके मुताबिक ओवैसी ने आगे कहा कि आप (सरकार) सिर्फ फिल्म का प्रमोशन कर रहे है और आपको लग रहा है कि फिल्म के प्रमोशन से कश्मीरी पंडित का भला होगा।। 1987 के चुनाव में धांधली हुई थी और इसका परिणाम 1989 में देखा गया था। उन्होंने कहा कि वे कश्मीरी पंडितों को चुनावी मुद्दों के रूप में देखती है न कि इंसानों के रूप में। ऐसी चीजें आतंकवाद को बढ़ावा दे रही हैं। इसकी जिम्मेदारी मोदी सरकार पर है, मैं इसकी निंदा करता हूं। वहीं, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि जिनको कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा करनी है, उनको फिल्म के प्रचार से फुर्सत नहीं है।

लखनऊ पहुंचकर बोली प्रियंका गांधी वाड्रा : जब तक जीत नहीं होती, तब तक लड़ना होगा

लखनऊ (एजेंसी)

विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस में समीक्षा का दौर शुरू हो चुका है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी नव संकल्प' कार्यशाला में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब तक जीत नहीं होती, तब तक लड़ना होगा। प्रियंका गांधी वाड्रा ने दो दिवसीय नव संकल्प कार्यशाला के मंच से उन्होंने कहा कि जी-जान से लड़ने के बावजूद पार्टी को हार मिली लेकिन मायूस होने का वक्त नहीं है, बल्कि दोगुनी ऊर्जा से लड़ाई लड़नी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की हार हुई, ये एक सच्चाई है, जबकि पार्टी कार्यकताओं की मेहनत ने पूरे देश के कार्यकताओं को प्रेरित किया था। हमें और गहराई से काम करने की जरूरत है। जनता से जुड़ने के लिए हमें और प्रयास करना होगा। सिर्फ राजनीतिक नहीं सामाजिक मसलों पर भी जनता से जुड़ाव बनाना होगा। इस समय भाजपा जिस तरफ देश के ले जा रही है यह वह देश नहीं है जिसके लिए महात्मा गाँधी, सरदार पटेल और डॉ.आंबेडकर ने लड़ाई लड़ी थी। हमें घर-घर जाकर लोगों को हकीकत बतानी होगी। प्रियंका गांधी ने कहा कि 2014 तक देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही थी, लेकिन आज देश की बुरी हालत पूरी दुनिया देख रही है। युवाओं को जीत-धर्म के नाम पर बांटकर उनका भविष्य बर्बाद किया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकताओं को हालात बदलने के लिए नई ऊर्जा से जुटना होगा, मैं उनके साथ दोगुनी ताकत से मेहनत करूंगी। हमें उदयपुर चिंतन शिविर में पारित हुए घोषणापत्र की भावना को समझकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकताओं से मिलकर वह हार के कारणों को जानने का प्रयास करेंगी ही, खुद अपना भी मूल्यांकन करेंगी कि कमी कहां रह गई। पने 15 मिनट के संबोधन में उन्होंने कहा कि जो भी हमने किया, वहां काफी नहीं था। पहले कांग्रेस नेता सिर्फ राजनीतिक नहीं, सामाजिक मुद्दों को लेकर और तीज-त्योहारों में भी जनता के बीच जाते थे लेकिन आज हम ऐसा नहीं करते।

जम्मू-कश्मीर की शांति भंग करने के लिए लक्षित हत्या पाकिस्तान की साजिश : भाजपा

जम्मू। (एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंद्र रैना ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि हाल में घाटी में हुई लक्षित हत्याएं पाकिस्तान की साजिश है ताकि भय का माहौल पैदा किया जा सके और केंद्र सरकार द्वारा केंद्र शासित प्रदेश में शांति और सामान्य हालात लाने के लिए उठाए जा रहे कदमों को नुकसान पहुंचाया जा सके। रैना ने जोर देकर कहा कि पड़ोसी देश की साजिश को नाकाम कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों का ऑपरेशन 'ऑल आउट' के तहत सफाया कर रही हैं ताकि लोगों को सुरक्षित माहौल दिया जा सके।

रैना ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में बड़ी विकास परियोजनाओं ने गति पकड़ी है और जम्मू-कश्मीर शांति और प्रगति की ओर बढ़ रहा है। इससे पाकिस्तान और उसके समर्थित आतंकवादी हताश हैं और लोगों में भय का माहौल पैदा कर सरकार की कोशिशों को नाकाम करने की साजिश रच रहे हैं।' उन्होंने दावा किया कि लक्षित हत्याएं पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई), उसकी सेना और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से संचालित आतंकवादी संगठनों की साजिश का हिस्सा है। भाजपा नेता ने दावा किया, 'उन्होंने इस साजिश को 'ऑपरेशन रेड वेव' नाम दिया है जैसा कि हमने 1980-1990 के दशक में तत्कालीन पाकिस्तानी सैन्य शासक जनरल जिया उल हक के नेतृत्व में 'ऑपरेशन टुपैक' देखा था और उस दौरान कश्मीर में मौत और तबाही आई थी।' रैना ने कहा कि पाकिस्तान, जम्मू-कश्मीर के लोगों का सबसे बड़ा दुश्मन है और घाटी में 'अफगानिस्तान जैसे हालात' पैदा करना चाहता है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन रेड वेव' का भी ,वहीं हश्र होगा जैसा 'ऑपरेशन टुपैक' का हुआ था क्योंकि पुलिस और सुरक्षाबल जम्मू-कश्मीर के, हृदय से राष्ट्रवादी लोगों की सहायता से आतंकवाद को मिटाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में बैंक प्रबंध विजय कुमार की हत्या की निंदा करते हुए रैना ने कहा, 'कायर पाकिस्तान और उसके समर्थक आतंकवादियों ने एक बार फिर पाप किया है और उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।' उन्होंने कहा, ह्यह्यचाहे (कश्मीरी पंडित) राहुल पंडिता, (मुस्लिम कलाकार) अमरीन हो, (पुलिसकर्मी) रियाज अहमद ठोकर और सैफुल्लाह कादरी हो, (जम्मू से डोगरा) रजनी बाला हो या राजस्थान के बैंक प्रबंधक विजय कुमार हों, बेगुनाहों का खून बहा है और पाकिस्तान प्रत्यक्ष रूप से गत 35 साल से इसमें संलिप्त है। उन्होंने घाटी को कब्रिस्तान में तब्दील कर दिया है।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान समर्थक आतंकवादियों ने गत तीन दशक से बेगुनाहों की हत्या कर कर मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन किया है। रैना ने कहा, 'जब आतंकवाद ने अपना कुरूप चेहरा (1989) में घाटी में दिखाया, तब राष्ट्रवादी मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को, भय का माहौल बनाने के लिए निशाना बनाया गया। अब वे वही कोशिश दोबारा भाईचारा को नुकसान पहुंचाने और शांति और प्रगति को बाधित करने के लिए कर रहे हैं।

खत्म होने का नाम नहीं ले रहा हिजाब विवाद ! 6 छात्राएं क्लास में हिजाब पहनकर शामिल होने की कर रही थी जिद, कॉलेज ने किया संसपेंड

बेंगलुरू। (एजेंसी)

हिजाब विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर से कर्नाटक में कुछ छात्राओं ने हिजाब पहनकर क्लास में शामिल होने की जिद की। जिसको लेकर उन्हें संस्पेंड कर दिया गया। आपको बता दें कि कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ स्थित उपिनांगड़ी पीयू कॉलेज की 6 छात्राएं हिजाब पहनकर क्लास में शामिल होने की जिद कर रही थी। शिक्षकों ने छात्राओं को काफी समझाया लेकिन छात्राएं बिना हिजाब पहने क्लास में शामिल होने के लिए तैयार ही नहीं थी।

कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं को काफी ज्यादा समझाया। इसके बाद भी वो मानने को तैयार नहीं थीं। ऐसे में कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं के खिलाफ कार्रवाई की। इस मामले को लेकर कॉलेज प्रशासन ने एक बैठक की। इसके बाद छात्राओं को संस्पेंड कर दिया गया। इतना ही नहीं कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं को हाईकोर्ट का फैसला भी समझाया, लेकिन छात्राएं अपनी जिद में अड़ी रहीं।

क्या था हाई कोर्ट का आदेश ?

हाई कोर्ट ने कहा था कि हिजाब इस्लाम में जरूरी धार्मिक प्रथा नहीं है। हाई कोर्ट ने 129 पन्नों के आदेश में कहा था कि हिजाब इस्लाम में जरूरी धार्मिक प्रथा नहीं है और परिसर में शांति, सद्भावना एवं लोक व्यवस्था को बाधित करने वाले किसी भी तरह के कपड़े पर रोक लगाने के कर्नाटक सरकार के आदेश को बरकरार रखा। इस दौरान हाई कोर्ट ने क्लास में हिजाब पहनने की अनुमति देने का अनुरोध करने वाली मुस्लिम छात्राओं की याचिकाएं को खारिज कर दिया था।

देश में फेसलेस सेवाएं शुरू करने वाला पहला शहर है दिल्ली : अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली देश का पहला ऐसा शहर है जहां फेसलेस सेवाओं की शुरूआत की गई है और अब अन्य राज्य भी इससे सीख ले रहे हैं तथा इसी तरह की पहल शुरू कर रहे हैं। दिल्ली के परिवहन विभाग की फेसलेस सेवाओं के तहत ऑनलाइन आवेदन करने वाले आवेदकों को संपर्क रहित, कतार रहित और परेशानी मुक्त सेवाएं प्रदान करने की परिकल्पना की गई है और इसके तहत किसी भी कार्यालय में जाए बिना काम हो रहा है। केजरीवाल ने यहां सराय काले खां में एक 'ऑटोमेटेड ट्रैक' का निरीक्षण किया और दिल्ली सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न सुविधाओं के बारे में भी बताया। केजरीवाल ने कहा, पिछले साल फरवरी में हमने फेसलेस सेवाओं पर एक पायलट परियोजना शुरू की थी। उसके बाद फिर अगस्त में हमने इसे पूरी तरह से लागू किया। कई महीनों के बाद मैं यह देखने आया हूं कि इसको लेकर लोगों की प्रतिक्रिया कैसी है। उन्होंने कहा कि फेसलेस सेवाओं के तहत लोगों को अपने काम से छुट्टी लेकर कार्यालयों में नहीं जाना पड़ता क्योंकि वे अपना काम ऑनलाइन करवा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, आज मैंने देखा कि यहां लगभग सभी काउंटर खाली हैं।

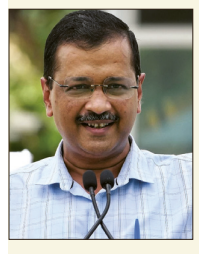

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

हार्दिक पटेल भाजपा में हुए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,पाटीदार नेता हार्दिक पटेल भाजपा में शामिल हो गए हैं। गांधीनगर में भाजपा मुख्यालय में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने पार्टी की सदस्यता दिलाई है। इस दौरान पूर्व डिप्टी सीएम नितिन पटेल समेत कई और सीनियर नेता मौजूद थे। भाजपा में शामिल होने के बाद हार्दिक पटेल ने कहा कि वह अब राष्ट्रहित और प्रदेश हित के साथ अपने राजनीतिक सफर की नई शुरुआत करेंगे। हार्दिक पटेल के साथ पाटीदार आंदोलन में उनके साथी रहे कई और नेता भी भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा में शामिल होने से पहले हार्दिक पटेल ने घर पर पूजा-पाठ किया। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए एक नई शुरुआत होगी। आज सुबह ही उन्होंने ट्वीट किया था, 'राष्ट्रहित, प्रदेशहित, जनहित एवं समाज हित की भावनाओं के साथ आज से नए अध्याय का प्रारंभ करने जा रहा हूं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्र सेवा के भगीरथ कार्य में छोटा सा सिपाही बनकर काम करूँगा।' हार्दिक पटेल तीन सालों तक कांग्रेस में रहे थे, लेकिन खुद की उपेक्षा किए जाने और युवाओं को आगे न बढ़ाने का आरोप लगाते हुए 18 मई को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। पाटीदार नेता हार्दिक पटेल भाजपा में शामिल हो गए हैं। गांधीनगर में भाजपा मुख्यालय में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने पार्टी की सदस्यता दिलाई है। इस दौरान पूर्व डिप्टी सीएम नितिन पटेल समेत कई और सीनियर नेता मौजूद थे। भाजपा में शामिल होने के बाद हार्दिक पटेल ने कहा कि वह अब राष्ट्रहित और प्रदेश हित के साथ अपने राजनीतिक सफर की नई शुरुआत करेंगे। हार्दिक पटेल के साथ पाटीदार आंदोलन में उनके साथी रहे कई और नेता भी भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा में शामिल होने से पहले हार्दिक पटेल ने घर पर पूजा-पाठ किया। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए एक नई शुरुआत होगी। आज सुबह ही उन्होंने ट्वीट किया था,

'राष्ट्रहित, प्रदेशहित, जनहित एवं समाज हित की भावनाओं के साथ आज से नए अध्याय का प्रारंभ करने जा रहा हूं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्र सेवा के भगीरथ कार्य में छोटा सा सिपाही बनकर काम करूँगा।'

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इफ़्को-कलोल स्थित नैनो यूरिया प्लांट का निरीक्षण किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इफ़्को के कलोल स्थित नैनो यूरिया प्लांट का गुरुवार को दौरा किया। इस प्लांट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में उद्घाटन किया था। कलोल में स्थापित यह आधुनिक प्लांट की हाल में दैनिक 1.5 लाख बोतल यूरिया उत्पादन क्षमता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस नैनो यूरिया प्लांट के उद्घाटन अवसर पर संकल्प व्यक्त किया था कि आगामी समय में देश में ऐसे 8 और प्लांट शुरू कर यूरिया पर विदेशी निर्भरता घटाई जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को इस प्लांट का प्रत्यक्ष परिभ्रमण कर यह प्रत्यक्ष अनुभूति की कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उर्वरक उत्पादन में नैनो टेक्नोलॉजी के उपयोग की दिशा में उठाया गया क़दम कितना महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि 175 करोड़ रुपए के निवेश से इफ़्को-कलोल में कार्यरत हुए इस प्लांट में प्रतिदिन 500 मिलीलीटर की डेढ़ लाख बोतल नैनो यूरिया का उत्पादन होता है। भूपेंद्र पटेल ने नैनो यूरिया प्लांट के समग्र परिसर की गतिविधियों तथा नियंत्रण कक्ष का रुचिपूर्वक निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में चल रही नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ़ स्कूल एजुकेशन मिनिस्टर्स के उद्घाटन सत्र के बाद पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के बिना अचानक इफ़्को-कलोल स्थित इस नैनो यूरिया प्लांट को देखने के लिए पहुँचे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव पंकज कुमार, गांधीनगर ज़िला कलेक्टर कुलदीप आर्य तथा इफ़्को-कलोल प्लांट के वरिष्ठ अभियांतगण भी उपस्थित थे।

नैनो यूरिया प्लांट 500 मिलीलीटर की दैनिक 1.50 लाख बोतल तरल यूरिया का करता है उत्पादन

गुजरात के वडोदरा में दीपक निटारे फैक्ट्री में विस्फोट के बाद आग लगी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,गुजरात के वडोदरा में दीपक निटारे फैक्ट्री में विस्फोट हुआ है, जिसके बाद वहां आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर दमकल की कई गाड़ियां भेजी गई हैं। धुंआ दूर से ही दिखाई दे रहा था। विस्फोट के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। फरीदाबाद में लिथियम बैटरी सेल निर्माण की फैक्ट्री में आग लगने से तीन कर्मचारियों की मौत एक बयान में, दीपक नाइट्राइट ने कहा कि वे स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। हमारे लिए कर्मचारियों और आसपास के लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है।

आजादी के अमृत काल में मानव कल्याण के लिए भारत करेगा दुनिया का नेतृत्व : धर्मेन्द्र प्रधान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और गुजरात के शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित हो रही स्कूली शिक्षा मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि स्कूली शिक्षा ज्ञान आधारित समाज की नींव है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का उद्देश्य सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहन देना और शिक्षा को हरेक के लिए सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा कि हम आजादी के अमृत काल में हैं, तब वैश्विक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के तौर पर भारत को स्थापित करने के लिए अगले 25 वर्ष भावी पीढ़ी के लिए अत्यंत निर्णायक रहेंगे। भारत एक संस्कृति है जो वसुधैव कुटुंबकम में विश्वास रखती है और हमें यह समझना चाहिए कि हम पर केवल हमारे राष्ट्र का ही नहीं अपितु विश्व कल्याण का भी दायित्व है। प्रधान ने 21वीं शताब्दी के अवसरों और चुनौतियों के लिए की जा रही तैयारियों का जिक्र करते हुए यह अनुरोध किया कि हमें हमारी शिक्षा और कौशल के इकोसिस्टम को और अधिक मजबूत बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक एनईपी की नई 5+3+3+4 व्यवस्था, प्रारंभिक बाल्यावस्था और देखभाल शिक्षा (ईसीसीई) पर जोर, शिक्षक प्रशिक्षण और वयस्क शिक्षा, स्कूली शिक्षा के साथ कौशल विकास का एकीकरण सहित राज्यों से अपनी मातृभाषा में शिक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार आगामी समय में 'पीएम श्री स्कूलों' की स्थापना करने जा रही है, जो छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित होंगे। ये अद्यतन स्कूल एनईपी 2020 की एक आधुनिक प्रयोगशाला होंगे। उन्होंने 'पीएम श्री स्कूल' के रूप में भावी बैंचमार्क मॉडल बनाने के लिए सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों सहित पूरे शिक्षा इकोसिस्टम से सुझाव और प्रतिक्रियाएं मांगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि एनईपी 2020 के अनुरूप आज सम्मेलन में संरचित और परिणाम आधारित चर्चाओं में सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों के अनुभव और ज्ञान को साझा करने से शिक्षा के परिदृश्य में परिवर्तन की दिशा में एक कदम आगे ले जाएगा।